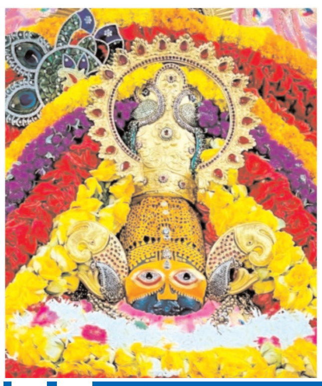

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:317। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 08 जुलाई 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

भारत-इंडोनेशिया के बीच रक्षा, ब्रह्मोस, अंतरिक्ष और डिजिटल सहयोग समेत 14 समझौते

कई नई पहल की घोषणा

एजेंसी

जकार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया ने रक्षा, ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली, अंतरिक्ष, दूरसंचार, स्वास्थ्य, कृषि, खनिज, आपदा प्रबंधन और चुनावी सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में 14 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने सांस्कृतिक विरासत संरक्षण, डिजिटल कॉमर्स, प्रबंधन शिक्षा और खाद्य सुरक्षा समेत छह नई पहलों की भी घोषणा की, जिससे द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती मिलेगी। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों में शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाह्य अंतरिक्ष की खोज एवं उपयोग संबंधी सहयोग समझौते का विस्तार, भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और इंडोनेशिया की औषधि एवं खाद्य नियामक एजेंसी (बीपीओएम) के बीच चिकित्सा उत्पादों के विनियमन में सहयोग, खनिज एवं इस्पात आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग संबंधी समझौते शामिल हैं। इसके अलावा समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा सहयोग संबंधी समझौते का विस्तार, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के बीच सहयोग, दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं सेवाओं, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार तथा स्वास्थ्य कार्यबल सहयोग से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों ने भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और इंडोनेशिया के जनरल इलेक्शन कमीशन (केपीयू) के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देते हुए ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली पर सहयोग तथा एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौता भी किया गया।

भारत और इंडोनेशिया भविष्य के स्वाभाविक साझेदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद को संबोधित करते हुए कहा आगे कि भारत और इंडोनेशिया दुनिया के सबसे युवा समाजों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश प्रमुख समुद्री शक्तियां हैं और ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनकर उभरे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों प्राचीन सभ्यताएं हैं और भविष्य के लिए स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया।

'आतंकवाद के खिलाफ भारत-इंडोनेशिया साथ खड़े हैं'

इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने यह भी कहा कि आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत और इंडोनेशिया हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इंडोनेशिया ने मजबूती से भारत का समर्थन किया था। पीएम मोदी ने इसके लिए इंडोनेशिया का आभार जताया।

उपराष्ट्रपति ने समाज सुधारक रेट्टामलाई श्रीनिवासन की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में समाज सुधारक रेट्टामलाई श्रीनिवासन की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर कहा, 'रेट्टामलाई श्रीनिवासन ने अपना जीवन छुआछूत जैसी सामाजिक बुराई से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया और उनका यह दृढ़ विश्वास था कि प्रत्येक व्यक्ति का आत्मसम्मान और प्रतिष्ठा हमेशा कायम रहनी चाहिए। ' तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में सात जुलाई 1860 को जन्मे रेट्टामलाई श्रीनिवासन दलित अधिकार कार्यकर्ता, राजनेता और समाज सुधारक थे। उन्हें तमिलनाडु (तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी) में अनुसूचित जाति (विशेषकर परैयार समुदाय) के उत्थान का अग्रदूत माना जाता है। श्रीनिवासन ने अछूत माने जाने वाले समुदायों के बीच शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाई।

पद्मश्री इंजीनियर डॉ. गिरीश भारद्वाज का निधन

एजेंसी

बेंगलुरु। कम लागत में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए झूला पुलों के निर्माण की अभिनव तकनीक विकसित कर लाखों लोगों का जीवन आसान बनाने वाले पद्मश्री सम्मानित इंजीनियर डॉ. गिरीश भारद्वाज का मंगलवार तड़के निधन हो गया। हृदय संबंधी बीमारी के कारण उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले के सुलिया स्थित केवीजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह 76 वर्ष के थे। उनके निधन से इंजीनियरिंग जगत और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में शोक की लहर है। डॉ. गिरीश भारद्वाज के निधन पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य ने एक दुर्लभ तकनीकी प्रतिभा और समाजसेवी इंजीनियर को खो दिया है। उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को संपर्क सुविधा से जोड़कर जनजीवन को सुगम बनाने में डॉ. भारद्वाज का योगदान सदैव याद रखा जाएगा। उनके कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

अफगानिस्तान के मंत्री अताउल्लाह ओमारी आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के कृषि, सिंचाई और पशुधन मंत्री मावलावी अताउल्लाह ओमारी मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचे। ओमारी के भारत दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच आपसी संबंध बढ़ाना और उनके हितों से जुड़े मामलों पर बातचीत करना है। अफगान मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आपसी हितों के मुद्दों पर बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।' यह दौरा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हो रहा है, जिसमें हाल ही में अफगान प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमलों के दौरान कई अफगान नागरिक मारे गए और घायल हुए हैं। भारत ने अफगान इलाके पर एयरस्ट्राइक की कड़ी निंदा की थी और कहा था कि यह 'पाकिस्तान के लगातार लापरवाह बर्ताव और अपनी सीमाओं के बाहर हिंसा के हताशाजनक कामों के जरिए अंदरूनी नाकामियों को बाहर दिखाने की उसकी बेकार कोशिश को दिखाता है। '

तारातला हादसा: सीएम सुवेंदु अधिकारी ने पीड़ित परिवारों को सौंपे मुआवजा राशि के चेक

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को ताराताला गोदाम की छत गिरने से प्रभावित परिवारों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की। इसमें आर्थिक मदद, रोजगार में सहायता, मुफ्त इलाज और पीड़ित परिवारों के बच्चों की पढ़ाई के लिए सहायता शामिल है। राज्य सचिवालय के नबन्ना सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 24 जून को हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाले 16 श्रमिकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता के चेक सौंपे। वहीं हादसे में घायल लोगों को 1 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी गई। पीड़ित परिवारों से बात करते हुए अधिकारी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार भविष्य में भी उनकी मदद करती रहेगी।

झारखंड की नई औद्योगिक और टेक्सटाइल नीतियों पर दिल्ली 8-9 जुलाई को राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, सीएम हेमंत रहेंगे मौजूद

रांची। झारखंड में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने और हजारों रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार अपनी नई औद्योगिक नीति 2026 और टेक्सटाइल, अपैरल एंड फुटवियर नीति-2026 को अंतिम रूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। इन दोनों प्रस्तावित नीतियों समेत राज्य की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नीति और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से जुड़े सुधारों पर राष्ट्रीय स्तर पर मंथन के लिए 8 और 9 जुलाई को नई दिल्ली के ताज पैलेस होटल में दो दिवसीय 'नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन' आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में होने वाले इस सम्मेलन में उद्योग जगत, निवेशकों, नीति विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए जाएंगे, ताकि प्रस्तावित नीतियों को अंतिम रूप देने से पहले उन्हें और प्रभावी बनाया जा सके।

डूरंड कप युवा फुटबॉल प्रतिभाओं को नई पहचान देगा : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने डूरंड कप टूर्नामेंट-2026 की ट्रॉफियों का अनावरण एवं फ्लैग ऑफ किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 की ट्रॉफियों का अनावरण और उन्हें रवाना करते हुए कहा कि भारत को वैश्विक फुटबॉल जगत में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डूरंड कप जैसे ऐतिहासिक टूर्नामेंट देश में फुटबॉल की नई प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि फुटबॉल दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है और यह उत्कृष्टता, एकता तथा खेल भावना का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता है।

राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने डूरंड कप टूर्नामेंट-2026 की ट्रॉफियों का अनावरण एवं फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर उन्होंने डूरंड कप से जुड़े वर्तमान और पूर्व अधिकारियों तथा खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता ने वर्षों से अनेक प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराया है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष डूरंड कप, प्रेसिडेंट्स कप और शिमला ट्रॉफी के लिए कुछ नई टीमें भी प्रतियोगिता में भाग लेंगी, जिनमें श्रीलंका की एक टीम भी शामिल है। नई टीमों के शामिल होने से इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता की लोकप्रियता और बढ़ेगी। राष्ट्रपति ने सभी भाग लेने वाली टीमों और खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। डूरंड कप के मैच इस बार कोलकाता, गुवाहाटी, इम्फाल और शिलांग के साथ-साथ पहली बार रांची में भी आयोजित किए जाएंगे।

'चढ़ावा मामले में राम मंदिर ट्रस्ट भंग किया जाए'

सुप्रीम कोर्ट के जज करें पूरे मामले की जांचः कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला अत्यंत गंभीर होने के कारण ट्रस्ट को तत्काल भंग करके नये ट्रस्ट का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के किसी मौजूदा या सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने की मांग की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि नये ट्रस्ट में संतों और धर्माचार्यों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला अब गांव-गांव तक पहुंच चुका है। राम मंदिर से देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं जुड़ी हैं, लेकिन इस मामले ने लोगों की आस्था को गहरी ठेस पहुंचाई है। मंदिर ट्रस्ट का गठन एकतरफा तरीके से किया गया और उसमें जवाबदेही की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं रखी गई। उन्होंने कहा कि यदि यह केवल लापरवाही का मामला था तो फिर प्राथमिकी दर्ज करने, विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने और गिरफ्तारियां करने की आवश्यकता क्यों पड़ी। ट्रस्ट की बैठकों में चोरी को लापरवाही बताया गया, जबकि घटनाक्रम इससे कहीं अधिक गंभीर सवाल खड़े करता है।

केतन हत्याकांड में बड़ा खुलासा

सिया ने प्रेमी चेतन से पहले ही कर ली थी शादी

एजेंसी

पुणे । पुणे के चर्चित लोहागढ़ किला हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्य आरोपी सिया गोयल ने कारोबारी केतन अग्रवाल से तय शादी से कई महीने पहले ही अपने प्रेमी चेतन चौधरी से कथित तौर पर गुपचुप शादी कर ली थी। सूत्रों के मुताबिक, सिया गोयल और चेतन चौधरी ने करीब चार महीने पहले स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी का पंजीकरण कराया था। हालांकि, इसी साल फरवरी में सिया की सगाई पुणे के 25 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल से हुई थी और दोनों की शादी नवंबर में होने वाली थी। बता दें कि 18 जून को लोहागढ़ किले पर केतन अग्रवाल की खाई में गिरने से मौत हो गई। जांच एजेंसियों को संदेह है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी और सिया गोयल, केतन अग्रवाल से शादी नहीं करना चाहती थी। पुलिस अब इस दावे की जांच कर रही है कि दोनों ने कानूनी रूप से विवाह का पंजीकरण कराया था। अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या विवाह प्रमाणपत्र मौजूद है, क्योंकि ऐसा दस्तावेज जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, विवाह पंजीकरण के दौरान गवाह के रूप में हस्ताक्षर करने वाले सिया के कॉलेज के दो दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ता एक इंस्टाग्राम अकाउंट से हटाई गई तस्वीरों को भी रिकवर करने की कोशिश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन तस्वीरों में सिया और चेतन शादी की वरमाला पहने नजर आ रहे थे, जो जांच में महत्वपूर्ण सबूत बन सकती हैं। पुलिस को शक है कि कथित साजिश उस समय तेज हुई, जब केतन अग्रवाल के परिवार ने उदयपुर में प्रस्तावित डेस्टिनेशन वेडिंग की तैयारियों के लिए सिया से जरूरी दस्तावेज मांगे। इसके अलावा, जांच एजेंसियां चेतन चौधरी के बैंक लेनदेन की भी जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अनिवार्य सार्वजनिक नोटिस अवधि से बचने के लिए कहीं कोई भुगतान तो नहीं किया गया।

मायावती ने राम मंदिर और बद्रीनाथ चढ़ावा विवाद की निष्पक्ष जांच की मांग की

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामलों की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आस्था से जुड़े ऐसे मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होना बेहद जरूरी है। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि यूपी के अयोध्या में श्री राम मन्दिर के बाद अब उत्तराखण्ड स्टेट में भी बद्रीनाथ धाम चढ़ावा में चोरी व ग़बन आदि होने का मामला काफी सुर्ख़ियों में हैं। इन दोनों विख्यात धार्मिक स्थलों में इनके ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबन्धकों की भी सही से जांच होनी चाहिये वरना फिर आगे चलकर इनकी आड़ में इनके स्थान पर दूसरे बने मुख्य प्रबन्धक भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं क्योंकि ऐसी आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ी हुई है तो उसके लिए या तो मुख्य प्रबन्धकों की मिलीभगत है या फिर उनकी लापरवाही की वजह से यह सब कुछ हुआ है।

संजय राउत ने लगाया राम मंदिर ट्रस्ट में 2000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने मंगलवार को राम मंदिर ट्रस्ट और महाराष्ट्र सरकार को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितताओं की कानूनी जांच की मांग की। संजय राउत ने कहा कि केवल इस्तीफों से मामला खत्म नहीं होगा। इसके साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र की मिसिंग लिंक परियोजना को लेकर भी राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण का आरोप लगाया। संजय राउत ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट में भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इस्तीफे हुए हैं, लेकिन इससे सवाल खत्म नहीं हो जाते।

देश कई राज्यों में बारिश का कहर जारी!

एमपी में क्रेन-जेसीबी नदी में बहे

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। IMD ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मुंबई के सभी सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

नासिक में भी सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं। त्र्यंबकेश्वर मंदिर और महाराष्ट्र के साढ़े तीन शक्तिपीठों में शामिल सप्तश्रृंगी मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। वहीं, मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 35 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। खजुराहो में सबसे ज्यादा 4.4 इंच बारिश दर्ज की गई। बमीठा में नेशनल हाईवे-39 पर 3 फीट तक पानी भर गया। बालाघाट में महाराष्ट्र सीमा से लगी बाघ नदी उफान पर आने से किरनापुर-लांजी मार्ग पर पुल निर्माण में लगी कार, जेसीबी और लोडर तेज बहाव में बह गए। गुजरात के सूरत में पिछले 24 घंटे से हो रही भारी बारिश के बाद शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया। सूरत-नवसारी स्टेट हाईवे पर भी जलभराव हो गया, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। वहीं, मगदल्ला रोड भी पानी में डूब गई।

वायनाड में भूस्खलन : मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हुई

एजेंसी

कल्पेट्टा । केरल के वायनाड वाले हिस्से में हुए भयानक भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई। वहीं, कई एजेंसियों का एक बड़ा बचाव अभियान अब भी जारी है, जिसमें टन भर मिट्टी और मलबे के नीचे दबे चार लापता लोगों की तलाश की जा रही है। दस घायल लोगों का दो अस्पतालों में इलाज चल रहा है जबकि बचावकर्मी मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। इस बड़े भूस्खलन में एक चर्च और पास का एक घर भी बह गया। अच्छी बात यह रही कि घर पर ताला लगा था क्योंकि उसमें रहने वाले लोग मक्का की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे और घटना के समय चर्च के अंदर भी कोई नहीं था। प्रभावित इलाकों को जोड़ने वाला एक पुल मलबे के नीचे दब गया है, जिससे बचाव कार्यों में भारी रुकावट पैदा हुई।

यूपी के सभी जिलों में अलर्ट

एजेंसी

लखनऊ। यूपी के वाराणसी, प्रयागराज, चंदौली और बरेली में मंगलवार सुबह तेज बारिश हुई। सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इनमें से 8 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। पीलीभीत में बारिश के चलते तालाब का जलस्तर बढ़ने से मगरमच्छ निकलकर रिहायशी इलाके में आ गया। सहारनपुर के मां शाकंभरी देवी मंदिर से गुजरने वाली शाकंभरी नदी में अचानक पानी का तेज बहाव आ गया। पुलिस ने लाउडस्पीकर से अनाउंस कर कहा- पानी तेजी से आ रहा है, यहां से जल्दी निकल जाएं।

गांधीनगरः शराब तस्करी का भंडाफोड़ः खोराज ब्रिज के पास एक कार से शराब के 27 बॉक्स ज़ब्त,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। शराबबंदी के नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत, LCB-2 टीम ने पहले से मिली जानकारी के आधार पर अडालज इलाके में खोराज ब्रिज के पास विदेशी शराब के 27 बॉक्स से भरी बिना लाइसेंस वाली क्रेटा कार को ज़ब्त किया। टीम ने 10.21 लाख रुपये का सामान ज़ब्त किया और वांछित शराब तस्करों के खिलाफ आगे की जांच शुरू की।

शराब की खेप ले जाए जाने की सूचना मिली थी

गांधीनगर जिले में असामाजिक गतिविधियों और अंतर-राज्यीय शराब तस्करी पर रोक लगाने के लिए, लोकल क्राइम ब्रांच के PI K.J. राठौर की अलग-अलग टीमों ने तकनीकी और मानवीय स्रोतों से जानकारी जुटाई और सघन गश्त की। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक सफेद क्रेटा कार (रजिस्ट्रेशन नंबर GJ-01-RV-3666) में विदेशी शराब लोड करके कलोल गुरुकुल रोड होते हुए सरदारधाम की ओर ले जाया जा रहा है।

कलोल-सरदारधाम रोड पर सर्कल के पास नाकाबंदी

इस खास जानकारी के आधार पर, LCB टीम ने कलोल-सरदारधाम रोड पर सर्कल के पास नाकाबंदी की और निगरानी शुरू की। कुछ देर बाद, संदिग्ध क्रेटा कार वहां पहुंची और पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की। हालांकि, कार रोकने के बजाय ड्राइवर ने उसे तेज रफ्तार में भगा दिया। इसके बाद पुलिस ने फिल्मी अंदाज में उसका पीछा किया, लेकिन ड्राइवर खोराज ब्रिज के पास कार छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। बाद में, जब पुलिस ने कार की तलाशी ली, तो विदेशी शराब के 27 बॉक्स में कुल 684 बोतलें मिलीं। इस मामले में अडालज पुलिस स्टेशन में शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया।

मेहसाणा-अहमदाबाद हाईवे पर एक कार से विदेशी शराब ज़ब्तः 2000 से ज़्यादा बोतलें ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पहले से मिली जानकारी के आधार पर, गांधीनगर ज़िले की कलोल तालुका पुलिस ने मेहसाणा-अहमदाबाद हाईवे पर IFFCO चौराहे के पास सर्विस रोड पर नज़र रखी और फ़िल्मी अंदाज़ में एक संदिग्ध कार को घेरकर ड्राइवर को 4.82 लाख रुपये की विदेशी शराब और बीयर के साथ पकड़ा। साथ ही, 14 लाख रुपये से ज़्यादा का सामान ज़ब्त कर अंतर-राज्यीय शराब तस्करी के नेटवर्क का पर्दाफ़ाश किया। जानकारी मिली थी कि एक 'किया सेल्टोस' (Kia Seltos) कार शराब लेकर अहमदाबाद जा रही थी कलोल तालुका पुलिस स्टेशन के PI जे. जे. गढ़वी अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि बिना किसी पास या परमिट के सफ़ेद रंग की 'किया सेल्टोस' कार में मेहसाणा से अहमदाबाद की ओर विदेशी शराब ले जाई जा रही है। इस जानकारी के बाद पुलिस ने 'अमृत कट' के पास नज़र रखी। संदिग्ध कार को देखते ही उन्होंने फ़िल्मी अंदाज़ में उसका पीछा किया और IFFCO कट के पास सर्विस रोड पर उसे घेरकर रोक लिया।

शराब तस्कर फरार, शराब के साथ कार का ड्राइवर पकड़ा गया

हालांकि, पुलिस को देखते ही एक शराब तस्कर कार का दरवाज़ा खोलकर भागने में कामयाब हो गया, जबकि कार का ड्राइवर पंचाराम देवराम सुथार (राजस्थान का रहने वाला) पकड़ा गया। बाद में पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें कुल 2112 यूनिट विदेशी शराब और बीयर मिली। पुलिस की शुरुआती जांच में यह भी पता चला कि कार की नंबर प्लेट गलत थी। ड्राइवर ने कबूल किया कि शराब सांचोर के एक व्यक्ति ने सप्लाई की थी और वह अपनी स्विफ्ट कार में आगे बैठकर इस कार को रास्ता दिखा रहा था (पायलटिंग कर रहा था)। इसके बाद पुलिस ने ड्राइवर को 4.82 लाख रुपये की शराब और 14 लाख रुपये से ज़्यादा के अन्य सामान के साथ गिरफ़्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

बिना लीज़ के माइनिंग से नदी का अस्तित्व खतरे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के देहगाम तालुका में देहगाम-बायड हाईवे पर स्थित मेशवो नदी में बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन होने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मॉनसून के दौरान भी बड़ी संख्या में ट्रैक्टर नदी की तलहटी से रेत निकालते हुए देखे जा सकते हैं। यह इलाका एक तरफ जेसाना की मुवाड़ा-चंदाना मुवाड़ा ग्रुप ग्राम पंचायत और दूसरी तरफ कजोदरा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है। दोनों पंचायतों के सरपंचों ने साफ कहा है कि उनके इलाके में रेत खनन के लिए कोई लीज़ मंजूर नहीं की गई है, फिर भी लंबे समय से बिना नियम-कानून के खनन चल रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मेशवो नदी के पुल के आसपास लगभग 500 से 800 मीटर के दायरे में 25-25 फीट गहरे गड्डें बन गए हैं। य गड्डें नदी के प्राकृतिक बहाव को नुकसान पहुंचा रहे हैं और आशंका है कि भविष्य में भारी बारिश के दौरान ये पुल की नींव को भी प्रभावित कर सकते हैं। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो सार्वजनिक संपत्ति और लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इस पूरे मामले पर फोन पर संपर्क करने पर कजोदरा ग्राम पंचायत के सरपंच अरविंद सिंह झाला ने कहा कि रेत खनन की लीज़ नागजी की मुवाड़ा ग्राम पंचायत इलाके में है। हमारी कजोदरा ग्राम पंचायत इलाके में किसी भी तरह की लीज़ मंजूर नहीं की गई है। दूसरी ओर, जेसा की मुवाड़ा-चंदाना मुवाड़ा ग्रुप ग्राम पंचायत के सरपंच प्रहलाद सिंह झाला ने भी अवैध खनन की बात मानी और कहा, 'यह इलाका हमारे और कजोदरा ग्राम पंचायत की सीमा में आता है। हमारे इलाके में रेत खनन के लिए कोई लीज़ नहीं दी गई है। लगभग एक साल पहले मैंने देहगाम के मामलेदार को लिखित शिकायत भी की थी। उस समय दो-तीन ट्रैक्टरों से खनन किया जा रहा था, लेकिन कोई असरदार कार्रवाई नहीं हो रही है। '

खाकी और खादी के गठजोड़ का सनसनीखेज पर्दाफाश

ठाणे का 'कैसीनो कांड': येयूर पहाड़ियों की आड़ में चल रहा है देश का सबसे खूंखार जुआ सिंडिकेट! रोज उड़ रहे हैं अरबों रुपए

वर्तक नगर पुलिस की सरपरस्ती में कानून का कत्लेआमः 'राजा ठाकुर' के रसूख के आगे ठाणे कमिश्नरेट नतमस्तक? मुख्यमंत्री कार्यालय की चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

ठाणे। एक तरफ जहां मुंबई से सटे ठाणे शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इसी शहर के सीने पर कानून-व्यवस्था का ऐसा चीरहरण हो रहा है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र लाइव चल रहा है, सदन के भीतर सूबे की सुरक्षा पर लंबी-चौड़ी बहसें हो रही हैं। लेकिन सदन की चौखट से चंद किलोमीटर दूर, वर्तक नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर जो खेल चल रहा है, उसने पूरे गृह विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

अंदरूनी सूत्रों और खोजी कड़ियों से मिली बेहद पुख्ता और विस्फोटक जानकारी के अनुसार, उपवन पटसर के ठीक पीछे और येयूर चेक पोस्ट के पास स्थित एक बेहद सुरक्षित और आलीशान बंगले को एक अंतरराज्यीय 'मिनी कैसीनो' में तब्दील कर दिया गया है। यहाँ कानून की कोई बिसात नहीं है। यहाँ सिर्फ दो चीज़ें चलती हैं– ताश के पत्ते और गांधी जी के नोटों की गड्डियां!

अंतरराज्यीय सटोरियों का अड्डाः चार्टर्ड गाड़ियों से आ रहे हैं रईसज़ादे

यह कोई छोटा-मोटा स्थानीय जुए का अड्डा नहीं है, बल्कि यह एक कॉर्पोरेट स्टाइल में चलने वाला इंटर-स्टेट सट्टा सिंडिकेट है। 'महानगर मेट्रो' के पास उपलब्ध पुख्ता जानकारी के मुताबिक, इस अड्डे पर रोजाना करोड़ों से लेकर अरबों रुपए की हार-जीत होती है।

हैरान करने वाली बात यह है कि इस अड्डे पर दांव लगाने के लिए केवल महाराष्ट्र ही नहीं, बल्किः

गुजरात की हीरा मंडी के व्यापारी, राजस्थान के बड़े सटोरिये, हरियाणा के भू-माफिया, इन वीआईपी जुआरियों की गाड़ियां जब रात के अंधेरे में येयूर चेक पोस्ट को पार करती हैं, तो वर्तक नगर पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ियां अक्सर अपना रास्ता बदल लेती हैं।

काले साम्राज्य के सिंडिकेट का 'ओपन सीक्रेट': कौन हैं ये चेहरे?

इस पूरे अवैध साम्राज्य का ताना-बाना बेहद शातिर और खूंखार तरीके से बुना गया है। इस सिंडिकेट को चलाने के पीछे कुछ ऐसे नाम हैं जिनका ठाणे के अंडरवर्ल्ड और गलियारों में सिक्का चलता हैः

1. **राजा ठाकुर और जीतू जलगांवः** ये इस काले धंधे के असली 'किंगपिन' और फाइनेंसर हैं। इनका हुक्म इस बंगले के भीतर आखिरी सच होता है।

2. **मंगेश भोंसले और शेखर वडालाः** इन्हें इस अड्डे की सुरक्षा, बाउंसर्स की तैनाती और बाहरी खतरों (या ईमानदार अफसरों की रेड) से निपटने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

3. **रफ़ा (घोड़ी भूरिया) और गोपाल शर्मा (मैनेजर)ः** गोपाल शर्मा इस क्लब का मुख्य रणनीतिकार और 'कैशियर' है। सूत्रों का दावा है कि गोपाल शर्मा का मुख्य काम सिर्फ जुआ खिलवाना नहीं, बल्कि पुलिस और प्रशासन के बड़े साहबों तक हर महीने और हर हफ्ते जाने वाले करोड़ों रुपए के 'हफ्ते' (रिश्वत) की लाइजनिंग संभालना है।

सबसे सनसनीखेज राजनीतिक कनेक्शनः गलियारों में तैरती खबरों और सूत्रों के दावों के अनुसार, इस पूरे रैकेट का मुख्य कर्ता-धर्ता 'राजा ठाकुर' खुद को राज्य के शीर्ष नेतृत्व (उपमुख्यमंत्री स्तर के नेताओं) का अत्यंत करीबी और 'राइट हैंड' बताता है। इसी तथाकथित राजनीतिक कवच का इस्तेमाल कर उसने पूरे ठाणे पुलिस प्रशासन को अपनी उंगलियों पर नचा रखा है।

खाकी पर कालिखः सीनियर पीआई 'माने' और आला अफसरों की भूमिका

सवाल यह नहीं है कि यह अड्डा चल रहा है, सवाल यह है कि यह कैसे चल रहा है? वर्तक नगर पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई माने की नाक के नीचे, उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले येयूर चेक पोस्ट के पास इतनी बड़ी अवैध गतिविधि हो और उन्हें खबर न हो, यह नामुमकिन है। सूत्रों का सीधा आरोप है कि वर्तक नगर पुलिस के इस थाने में रोज़ाना और साप्ताहिक आधार पर नोटों के बड़े-बड़े बैग पहुंचाए जाते हैं। सिर्फ लोकल पुलिस ही नहीं, ठाणे पुलिस कमिश्नर से लेकर डीसीपी (DCP) स्तर तक के अधिकारियों को इस अड्डे की बारीक से बारीक जानकारी लिखित रूप में दी जा चुकी है। लेकिन जब गांधी जी का नोट बोलता है, तो खाकी का ईमान चुप हो जाता है। श्चश्चद्यद्बष्द्ध प्रशासन की यह चुप्पी साबित करती है कि यह तंत्र अपराधियों के सामने घुटने टेक चुका है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को खतराः जुए के पैसे से 'धर्म परिवर्तन' का खूनी खेल!

'महानगर मेट्रो' के खोजी पत्रकारों ने जब इस मामले की तह तक जाने की कोशिश की, तो एक ऐसा भयावह पहलू सामने आया जो केवल जुए या सट्टे तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे देश की आंतरिक सुरक्षा पर प्रहार करता है। विस्फोटक जानकारीः सूत्रों से पता चला है कि इस जुए के अड्डे से होने वाली काली कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा मैनेजर रफ़ा और भूरिया के जरिए इलाके के गरीब और आदिवासी बस्तियों में अवैध धर्म परिवर्तन (Religious Conversion) के नेटवर्क को फंड करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। जुए के इस गंदे पैसे का इस्तेमाल देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के लिए किया जा रहा है। क्या ठाणे पुलिस इस देशद्रोही साजिश में भी मूकदर्शक बनी रहेगी?

हमारा संकल्पः

'महानगर मेट्रो' इस खबर को सिर्फ एक पन्ने पर छापकर शांत नहीं बैठेगा। जब तक येयूर की खूबसूरत वादियों को कलंकित करने वाला यह आलीशान बंगला सील नहीं होता और इसके पीछे बैठे सफेदपोश मगरमच्छ सलाखों के पीछे नहीं जाते, हमारा यह अभियान जारी रहेगा। प्रशासन अपनी नींद से जागे, इससे पहले कि जनता का कानून पर से भरोसा उठ जाए!

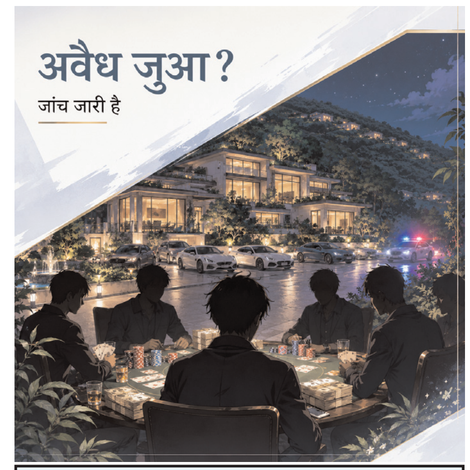

महानगर मेट्रो के सीधे और तीखे सवालः

1. **क्या मुख्यमंत्री से ऊपर है राजा ठाकुर?** मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) को इस अड्डे की गुप्त सूचना और शिकायतें मिलने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या यह समझा जाए कि सत्ता के गलियारों तक इस जुए के पैसे की हिस्सेदारी पहुंच रही है?

2. **कमिश्नर साहब, आपकी वर्दी का इकबाल कहां है?** ठाणे पुलिस कमिश्नर महोदय, क्या आपकी कप्तानी में ठाणे के भीतर कानून का नहीं बल्कि 'राजा ठाकुर' और उसके गुर्गों का संविधान चलेगा?

3. **सीनियर पीआई माने पर कार्रवाई कब?** अपनी सीमा में देश का सबसे बड़ा जुआ सिंडिकेट चलवाने वाले सीनियर पीआई माने को तुरंत सस्पेंड कर उनकी बेनामी संपत्तियों की जांच एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) से क्यों नहीं कराई जा रही?

U.N. मेहता अस्पताल की ड्रेनेज लाइन में हादसा, 1 की मौत का आरोप, सुरक्षा की कमी के कारण सफाई कर्मचारी हड़ताल पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। असरवा इलाके में सिविल मेडिसिटी कैंपस में स्थित .ह. मेहता अस्पताल से लापरवाही का एक बहुत गंभीर मामला सामने आया है। अस्पताल के बेसमेंट में ड्रेनेज लाइन की सफाई के लिए उतरे तीन कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण दम घुटने से बेहोशी आ गई। इस हादसे में इलाज के दौरान एक युवक की मौत का आरोप लगाते हुए अस्पताल का पूरा हाउसकीपिंग स्टाफ हड़ताल पर चला गया है। मिली जानकारी के अनुसार, कल (6 जुलाई) शाम .ह. अस्पताल के बेसमेंट में ड्रेनेज लाइन की सफाई का काम चल रहा था। आरोप है कि कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे प्रवीण वाघेला, साहिल नाडिया और रॉकी मैकइवान को बिना किसी सुरक्षा इंतज़ाम के ड्रेनेज लाइन में उतारा गया था। सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण, ज़हरीली गैस से दम घुटने से तीनों कर्मचारी बेहोश हो गए। घटना की सूचना मिलते ही

अहमदाबाद फायर डिपार्टमेंट की टीम तुरंत अस्पताल कैंपस पहुंची। फायरफाइटर्स ने बड़ी मुश्किल से तीनों युवकों को बेहोशी और गंभीर हालत में ड्रेनेज लाइन से बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद तीनों को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जैसे ही यह खबर फैली कि हादसे का शिकार हुए तीन युवकों में से एक की मौत हो गई है, अस्पताल कैंपस में तनावपूर्ण माहौल बन गया। साथी कर्मचारियों का आरोप है कि कॉन्ट्रैक्टर ने सिर्फ़ मुनाफ़ा कमाने के लिए गरीब कर्मचारियों को बिना सुरक्षा के मौत के कुएं में धकेल दिया। गुस्साए कर्मचारियों ने ठेकेदार की लापरवाही के खिलाफ़ ज़ोरदार विरोध किया है

गुजरात का पहला रोबोटिक कार्डियक सर्जरी यूनिट शुरूहाई-डेफिनिशन XD विज़ुअलाइज़ेशन और एडवांस्ड इक्विपमेंट के साथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अपोलो CVHF हॉस्पिटल ने दूसरा 'डा विंची ङ्गद्ब' रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम लगाकर गुजरात का पहला डेडिकेटेड रोबोटिक कार्डियक सर्जरी यूनिट शुरू किया है। इसके साथ ही, अपोलो हॉस्पिटल्स अहमदाबाद राज्य का पहला ऐसा अस्पताल बन गया है जिसके पास रोबोटिक कार्डियक सर्जरी के लिए दो डेडिकेटेड सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस हैं। अस्पताल के अनुसार, सीनियर CVTS सर्जन डॉ. सुधीर अदाली की देखरेख में 75 से ज़्यादा सफल रोबोटिक कार्डियक सर्जरी की जा चुकी हैं। नए सिस्टम के आने से ज़्यादा मरीज़ों को एडवांस्ड और मिनिमली इनवेसिव (कम चीर-फाड़ वाली) हार्ट ट्रीटमेंट मिल सकेगा। डॉ. समीर दानी ने कहा कि गुजरात के पहले डेडिकेटेड रोबोटिक कार्डियक सर्जरी यूनिट के शुरू होने से राज्य के मरीज़ों के लिए वर्ल्ड-क्लास हार्ट ट्रीटमेंट को और आसानी से उपलब्ध कराने का संकल्प मज़बूत हुआ है। उन्होंने कहा कि एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और अनुभवी डॉक्टरों की टीम मरीज़ों को ज़्यादा सटीक और सुरक्षित इलाज देने में अहम भूमिका निभाएगी। डॉ. सुधीर अदाली ने कहा कि 'डा विंची Xi' सिस्टम के ज़रिए जटिल हार्ट सर्जरी ज़्यादा सटीकता के साथ की जा सकती हैं, जिसमें कम चीर-फाड़ होती है और मरीज़ को शारीरिक तकलीफ़ भी कम होती है।

CTM से 5 लाख कीमत का 9.8 किलो गांजा ज़ब्त; महाराष्ट्र का सप्लायर और स्थानीय रिक्शा चालक पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। क्राइम ब्रांच की टीम ने CTM में नरोल-नरोडा रोड से लाखों रुपये कीमत के गांजे के साथ दो आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने महाराष्ट्र से अहमदाबाद सप्लाई करने के लिए लाए गए 9.800 किलो गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ़्तार किया है। पुलिस ने ड्रग्स, रिक्शा और मोबाइल समेत कुल 5.60 लाख रुपये का सामान ज़ब्त किया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को खबर मिली थी कि रमोल का रहने वाला मोहम्मद साजिद पठान, CTM चुनीलाल पार्क सोसाइटी के पास सर्विस रोड पर रिक्शा लेकर गांजे की डिलीवरी लेने के लिए खड़ा है। महाराष्ट्र का रहने वाला इज़राइल खान उसे ड्रग्स देने आने वाला था। इसके बाद एक जाल बिछाया गया। जानकारी के मुताबिक ष्ह्लत्र रिक्शा खड़ा हुआ देखा गया। कुछ ही मिनटों में, एक्सप्रेस जंक्शन की तरफ से कंधे पर 2 बैग लिए एक व्यक्ति आया और रिक्शा के पास पहुँचा। रिक्शा चालक साजिद नीचे उतरा

और इज़राइल खान से एक बैग लिया। फिर, जब वे दोनों रिक्शा में बैठकर बातचीत कर रहे थे, तभी क्राइम ब्रांच की टीम ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस ने रिक्शा की पिछली सीट पर बैठे इज़राइल खान के दोनों बैगों की तलाशी ली और उनमें 9.800 किलोग्राम गांजा पाया। इसके अलावा, पुलिस ने 2 मोबाइल फ़ोन, एक ऑटो रिक्शा और कुल 5,60,290 रुपये का सामान ज़ब्त किया। पुलिस पूछताछ में एक चौंकाने वाली बात सामने आई। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी इज़राइल खान (33), जो महाराष्ट्र के अकोला का रहने वाला है, ने इतनी मात्रा में गांजा महाराष्ट्र के अकोला के ही रहने वाले मोहसिन बाबा से लिया था। वह यह गांजा अहमदाबाद के रामोल इलाके में रहने वाले 42 साल के मोहम्मद साजिद कमरुद्दीन पठान को देने आया था।

धंधुका में देसी बंदूक के साथ एक व्यक्ति पकड़ा गया; डंपिंग साइट के पास गिरफ्तारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। की धंधुका पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने धंधुका की डंपिंग साइट के पास हाथ से बनी देसी 'जामगारी' बंदूक के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति धंधुका की डंपिंग साइट के पास अवैध रूप से देसी 'जामगारी' बंदूक लेकर घूम रहा है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने तुरंत निगरानी रखी और छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मुबारक संधि (डफर) नाम के व्यक्ति को पकड़ा। उसके पास से हाथ से बनी देसी 'जामगारी' बंदूक जब्त की गई। पुलिस ने अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है, जिसमें यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उसे हथियार कहां से मिला और क्या इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल है। साणंद-वीरमगाम हाईवे पर एक गंभीर दुर्घटना हुई। यह दुर्घटना साणंद-वीरमगाम हाईवे पर विरोचननगर गांव में पटिया और छरोडी के बीच मेघमणि कंपनी के पास हुई। आइशर और ट्रक के बीच हुई इस दुर्घटना के कारण हाईवे पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। साणंद और वीरमगाम दोनों दिशाओं में लगभग 5 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जिले की ट्रैफिक पुलिस और संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और घंटों बाद ट्रैफिक बहाल किया। ट्रैफिक हटाने और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने का काम किया गया। सूत्रों के मुताबिक, दुर्घटना में ड्राइवर घायल हो गया।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केसः मौत की सज़ा पर 3 महीने की रोक, आरोपी सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाएंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सीरियल बम ब्लास्ट केस में, गुजरात हाई कोर्ट ने अपने फ़ैसले के अमल पर 3 महीने की रोक लगा दी है। आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए समय मांगा था। हाई कोर्ट ने अपने आदेश के अमल पर 3 महीने की रोक लगा दी है। अब आरोपी इस फ़ैसले के खि़लाफ़ सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। गौरतलब है कि आज सुबह गुजरात हाई कोर्ट ने 2022 में स्पेशल कोर्ट (सिटी सेशंस कोर्ट) द्वारा सुनाए गए फ़ैसले को बरकरार रखते हुए 38 आतंकवादियों की मौत की सज़ा और 11 दोषियों की उम्रकैद (मौत तक

जेल) की सज़ा को मंज़ूरी दी थी। इसके बाद, आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए हाई कोर्ट से समय मांगा। इसे ध्यान में रखते हुए, गुजरात हाई कोर्ट ने अपने फ़ैसले के अमल पर 3 महीने की रोक लगा दी है। ताकि अब आरोपी 3 महीने के अंदर हाई कोर्ट द्वारा दी गई सज़ा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकें। 21 सीरियल ब्लास्ट में 56 बेगुनाह लोगों की मौत हुई 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद में 20 अलग-अलग जगहों पर हुए 21 सीरियल ब्लास्ट में 56 बेगुनाह लोगों की मौत हो गई थी और 200 से ज़्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में, देश के इतिहास में पहली बार निचली अदालत ने एक साथ 38 आरोपियों को मौत की सज़ा सुनाई थी। राज्य सरकार ने इस मौत की सज़ा की पुष्टि के लिए हाई कोर्ट में अर्ज़ी दायर की थी, जबकि दूसरी ओर, 48 आरोपियों ने भी सज़ा के खि़लाफ़ हाई कोर्ट का रुख किया था। घटनाओं का पूरा क्रम क्या था? 8 फरवरी 2022 को अहमदाबाद की स्पेशल कोर्ट के जज ए.आर. पटेल ने 78 आरोपियों में से 49 को दोषी ठहराया, जबकि 28 आरोपियों को बरी कर दिया। फ़ैसला 18 फरवरी 2022 को सुनाया गया। कोर्ट ने 38 दोषियों को गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मौत की सज़ा सुनाई। 11 दोषियों को उनकी स्वाभाविक मौत होने तक आजीवन कारावास की सज़ा दी गई। 48 दोषियों पर 2.85 लाख रुपये और एक दोषी पर 2.88 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। कोर्ट ने मृतकों के परिवारों को 1 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों को 50 हज़ार रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों को 25 हज़ार रुपये का मुआवज़ा देने का भी आदेश दिया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करेंगे नितिन गडकरी, दौसा बस अग्निकांड स्थल का भी करेंगे दौरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दौसा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हाल ही में हुए भीषण बस-ट्रेलर अग्निकांड के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री **नितिन गडकरी** मंगलवार (8 जुलाई) को एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करेंगे। उनके दौरे को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्ॅद्ध) और संबंधित विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। एनएचएआई के परियोजना निदेशक गजेंद्र सिंह के अनुसार, गडकरी दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा रवाना होकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के जरिए कोटा और रतलाम तक का दौरा करेंगे। दोपहर करीब 2 बजे उनका काफिला दौसा जिले से गुजरेगा। इस दौरान वे हाल ही में हुए बस अग्निकांड के घटनास्थल का भी निरीक्षण कर सकते हैं, जहां 8 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी। दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य, रखरखाव, सड़क सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तकनीकी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा कोटा स्थित मुकुंदरा हिल्स की दरा टनल का भी निरीक्षण करने का कार्यक्रम है। इसके बाद वे मध्य प्रदेश और गुजरात में एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं का जायजा लेंगे। गडकरी के प्रस्तावित दौरे की सूचना मिलते ही एनएचएआई अधिकारियों ने एक्सप्रेस-वे पर साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य जरूरी तैयारियां शुरू कर दी हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि निरीक्षण के दौरान सड़क सुरक्षा और मेंटेनेंस से जुड़े महत्वपूर्ण निर्देश मिल सकते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक स्लीपर बस और ट्रेलर की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई थी, जिसमें 8 यात्रियों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा व्यवस्था, निर्माण गुणवत्ता और आपातकालीन राहत प्रणाली को लेकर कई सवाल उठे हैं। अब गडकरी का यह दौरा इन व्यवस्थाओं की समीक्षा और

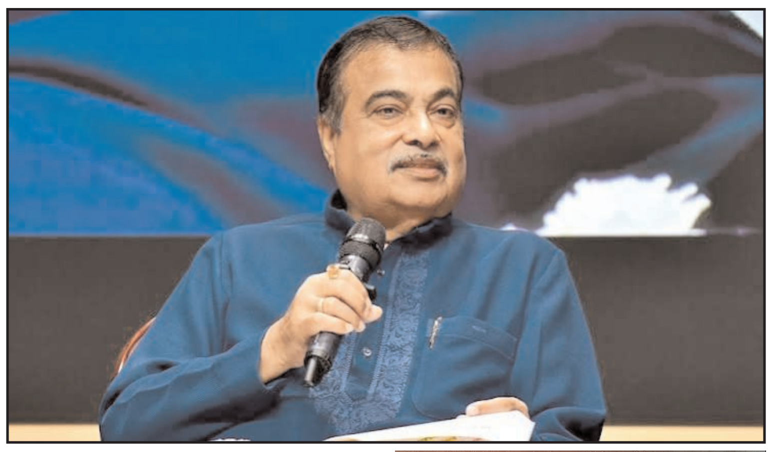

आवश्यक सुधारों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

वागरा बस डिपो से 30,000 रुपये कीमत के केबिन की चोरी अज्ञात तस्करों के खिलाफ केस दर्ज, पुलिस ने जांच शुरू की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा। बस डिपो के अंदर रखे भूरे रंग के कैनवस केबिन की चोरी से इलाके में हड़कंप मच गया है। पता चला है कि अज्ञात तस्कर 30,000 रुपये कीमत का केबिन चुराकर भाग गए। इस बारे में केबिन के मालिक नासिर हुसैन मोहम्मद पटेल ने वागरा पुलिस स्टेशन में ऑफिशियल कंप्लेंट दर्ज कराई है। कंप्लेंट के मुताबिक, 18 अप्रैल, 2026 को दोपहर 12:30 बजे से 5 जुलाई, 2026 को सुबह 10:00 बजे के बीच किसी भी समय अज्ञात लोगों ने बस डिपो के अंदर रखे केबिन की चोरी की। कंप्लेंट के आधार पर वागरा पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इससे बस डिपो एरिया में सिक्योरिटी इंतज़ाम पर सवाल उठ रहे हैं। पब्लिक जगह पर रखे प्राइवेट केबिन की चोरी से पता चलता है कि तस्कर बेरहम हो गए हैं। अब लोकल लोगों की मांग है कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करे और ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए इलाके में अच्छे सिक्योरिटी इंतज़ाम किए जाएं।

झालोद पुलिस का मूवी स्टाइल में मास्टरस्ट्रोक लुटेरी दुल्हन' गैंग का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। झालोद पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में शादी के सपने दिखाकर भोले-भाले युवाओं और उनके परिवारों से लाखों रुपये ऐंठने वाले इंटर-स्टेट 'लुटेरी दुल्हन' गैंग का पर्दाफाश करके बड़ी कामयाबी हासिल की है। दाहोद जिला पुलिस के एक स्ट्रेटेजिक ऑपरेशन में, पुलिसकर्मियों ने खुद दूल्हे, दूल्हे के पिता, बहन और भाई का भेष बदलकर मध्य प्रदेश में आरोपियों के लिए जाल बिछाया। गैंग के तीन आरोपियों को पहले से तय जाल में फंसाकर गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि पूरी साज़िश की मुख्य कड़ी मानी जा रही लुटेरी दुल्हन अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। झालोद के हितेशकुमार पांचाल की शादी तय करने के बहाने रानियार के कृष्णकांत उर्फ किशनभाई पटेल ने खुद को मध्य प्रदेश की लड़की बताकर परिवार का भरोसा जीता।

उसके बाद बाबूलाल पाटीदार और तरुण के ज़रिए ममता चौहान नाम की लड़की से मिलवाया और शादी तय कर दी। शादी तय करने के नाम पर और अलग-अलग खर्चों के बहाने परिवार से कुल 2.40 लाख वसूले गए। लड़की की शादी एक अनजान गांव में सादे समारोह में कराकर झालोद भेज दिया गया। दो दिन ससुराल में रहने और परिवार का भरोसा जीतने के बाद उसने उन्हें झूठा बताया कि 'चाचा का एक्सीडेंट हो गया है' और अपने पति के साथ मध्य प्रदेश पहुंच गई। पूरी साज़िश का पर्दाफाश तब हुआ जब एक बाइक सवार लड़की को कुक्षी बस स्टैंड के पास ले गया। इसके बाद से लड़की और दलालों के फोन बंद हो गए और परिवार ने जालौद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनके साथ धोखा हुआ है। शिकायत मिलते ही PI रवि गामित और PSI CK सिसोदिया ने DYSP डी.आर. पटेल के गाइडेंस में पूरे ऑपरेशन की प्लानिंग की। आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस ने खुद नए कस्टमर बनकर शादी के लिए लड़की ढूंढने का ड्रामा किया। जब बाबूलाल पाटीदार ने फिर से नई डील करने की कोशिश की, तो पुलिस ने तुरंत भेष बदलकर मध्य प्रदेश में ट्रैप लगा दिया। PSI CK सिसोदिया ने दूल्हे के पिता, महिला पुलिस ऑफिसर नर्मदाबेन संगाड़ा (दूल्हे की बहन), महेशभाई डामोर भाई और रंजीतसिंह तवर (दूल्हा) बनकर आरोपियों का भरोसा जीता। जैसे ही आरोपी तय जगह पर पहुंचे, पुलिस ने बाबूलाल पाटीदार और तरुण को पकड़ लिया।

साबरकांठा के तीन तालुका में दो इंच बारिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। हिम्मतनगर में सड़कें जलमग्न, ट्रैफिक पर असर तलोद और प्रांतिज में भी निचले इलाकों में पानी भर गया साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर, तलोद और प्रांतिज तालुका में भारी बारिश हुई और इदर-वडाली-खेड़ब्रह्मा में छिटपुट बौछारें पड़ीं। सिर्फ़ एक घंटे में दो इंच बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में आम ज़िंदगी पर असर पड़ा। हिम्मतनगर शहर के निचले इलाकों और मुख्य सड़कों पर बारिश का पानी भर गया, जिससे गाड़ी चलाने वालों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। शहर के खेड़ तसिया रोड पर लैंडस्लाइड की वजह से ट्रैफिक पर असर पड़ा। पॉश इलाकों की सड़कों पर भी पानी भर गया, जिससे गाड़ी चलाने वालों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बेराना रोड पर भी कई जगह कुछ गाड़ियां फंस गईं। हिम्मतनगर बाईपास रोड पर हातमती पुल पर पानी भरने से ट्रैफिक धीमा हो गया, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हुई। टावर चौक, छोटेलाल शाह मार्ग, नवी पालिका एरिया और जिला सेवा सदन एरिया में भी पानी भर गया, जिससे लोगों और व्यापारियों को परेशानी हुई। जिला जेल उल्का रोड, बेराना रोड, गायत्री मंदिर रोड और सहकारी जिन एरिया में पानी भरने की समस्या फिर से शुरू हो गई है, जिससे ड्रेनेज सिस्टम पर सवाल उठ रहे हैं।

इदर न्यू सिविल हॉस्पिटल जाने वाली सड़क पर एक बड़ी खाई बन गई है, हादसे का डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। इदर न्यू सिविल रोड पर एक बड़ी खाई बन गई है, पानी भरने से हादसे का डर, तुरंत भरने की मांग इदर से न्यू सिविल हॉस्पिटल जाने वाली सड़क पर एक बड़ी खाई बन गई है। बारिश के कारण इसमें पानी भर गया है और यह गाड़ी चलाने वालों को दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे गंभीर हादसे का डर बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने इस खाई को तुरंत भरने की मांग की है। इदर शहर में जब भारी बारिश होती है, तो इदर शहर के कुछ इलाकों में पानी भर जाता है। यह खाई इदर से न्यू सिविल हॉस्पिटल और इस इलाके के लालोदा गांव जाने वाली सड़क पर बन गई है। बारिश का पानी भरने की समस्या बहुत ज़्यादा है। पानी भरने के कारण खाई में दो फीट तक पानी भर गया है, जिससे यह खतरनाक हो गया है। इस इलाके में पानी से ट्रैफिक होने का खतरा रहता है और इदर शहर में ट्रैफिक की समस्या होने पर इसी सड़क का इस्तेमाल किया जाता है। यह सड़क जलाराम मंदिर, लालोदा गांव और न्यू सिविल हॉस्पिटल होते हुए मेन हाईवे तक जाने का एकमात्र दूसरा रास्ता है। यहां गाड़ियों का आना-जाना भी बहुत रहता है, जिससे एक्सीडेंट का चांस बढ़ जाता है। इस बारे में रमेशभाई पटेल ने कहा कि यह पानी पिछले कुछ दिनों से बह रहा है, लेकिन एडमिनिस्ट्रेशन ने इसे भरने के लिए अभी तक कोई काम नहीं किया है। इस इलाके में एक सरकारी हॉस्पिटल है और आस-पास के गांवों के लिए यही एकमात्र रास्ता है। चूंकि यहां बारिश का पानी बहुत भर रहा है, अगर तुरंत काम नहीं किया गया तो बड़ा नुकसान हो सकता है।

छोटाउदेपुर के भीलपुर गांव में जानलेवा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। भीलपुर गांव के पास आज एक गंभीर हादसा हुआ, जब एक काले रंग के डंपर ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। पता चला है कि इस हादसे में बाइक चला रहे अधेड़ उम्र के आदमी को गंभीर चोटें आईं। मिली जानकारी के मुताबिक, छोटाउदेपुर तालुका के मंडलवा गांव के रहने वाले नागिनभाई नायक नाम के एक अधेड़ उम्र के आदमी हमेशा की तरह बोडेली में अप-डाउन का काम कर रहे थे। जब वह अपनी मोटरसाइकिल से भीलपुर गांव के

पास से गुजर रहे थे, तो पूरी स्पीड से आ रहे एक डंपर ड्राइवर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि नागिनभाई सड़क पर गिर गए और उनके शरीर और सिर पर गंभीर चोटें आईं। जैसे ही हादसा हुआ, आस-पास के लोग और पैदल चलने वाले लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। खून से लथपथ हालत में पड़े घायल आदमी को इलाज के लिए तुरंत 108 इमरजेंसी एम्बुलेंस को बताया गया। मौके पर पहुंची 108 टीम ने घायल नगीन नायक को फर्स्ट एड दिया और आगे के इलाज के लिए छोटा उदयपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। एक्सीडेंट के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, भागने के बजाय, एक्सीडेंट करने वाले डंपर का ड्राइवर अपने डंपर के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचा और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

हैप्पी हार्ट प्री-स्कूल ने मीठे जश्न के साथ वर्ल्ड चॉकलेट डे मनाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। चॉकलेट एक मीठा तोहफ़ा है जो बच्चों के चेहरे पर मुस्कान ला देता है। रोता हुआ बच्चा भी चॉकलेट पाते ही मुस्कुरा उठता है। इसीलिए चॉकलेट बच्चों की सबसे पसंदीदा चीज़ों में एक खास जगह रखती है। इस मौके पर, भरूच की जानी-मानी चॉकलेट आर्टिस्ट और 'द आर्ट ऑफ़ चॉकलेट ' की फाउंडर शाना सुजनीवाला, जो कई तरह की हाथ से बनी चॉकलेट

बनाने के लिए मशहूर हैं, चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थीं। हैप्पी हार्ट प्री-स्कूल के छोटे बच्चों ने शाना सुजनीवाला का गुलदस्ता देकर गर्मजोशी से स्वागत किया। उसके बाद, उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से बनी स्वादिष्ट चॉकलेट बांटी, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह आ गया। इस मौके पर, वर्ल्ड चॉकलेट डे के मौके पर, स्कूल परिवार ने शना सुजनीवाला को उनकी क्रिएटिविटी, अनोखी कला और चॉकलेट के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए हैप्पी हार्ट प्री-स्कूल की प्रिंसिपल आरिफा मेवावाला ने सम्मानित किया।

संक्षिप्त न्यूज

राजनांदगांव जिले में अब तक 1123.1 मिमी वर्षा दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देहगाम तालुका में ऐतिहासिक साम्पा गांव को बयाद हाईवे से जोड़ने वाली रक्षाशक्ति चौकड़ी सड़क पिछले दो साल से खराब हालत में है, जिससे ग्रामीणों में काफी नाराजगी है। जगह-जगह बने बड़े और गहरे गड्डें के कारण हजारों वाहन चालकों को हर दिन अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। बारिश का मौसम शुरू होने से सड़क की हालत और भी खराब हो गई है। कई जगहों पर एक फुट तक गहरे गड्डें होने के कारण यह सड़क वाहन चालकों के लिए खतरनाक बन गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हुई हैं। गड्डें के कारण कई वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, और कुछ लोगों को हाथ-पैर में फ्रैक्चर जैसी गंभीर चोटें भी आई हैं। हालांकि, संबंधित सड़क और भवन विभाग द्वारा कोई स्थायी मरम्मत कार्य नहीं किया गया है। समय-समय पर गड्डें को बजरी या मिट्टी से भरकर काम पूरा होने का दिखावा किया जाता है, लेकिन कुछ बारिश के बाद स्थिति फिर वैसी ही हो जाती है। साम्पा गांव ऐतिहासिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

ऐतिहासिक 'वाव' (सीढ़ीदार कुएं) तक जाने वाली सड़क गड्डें से भर गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देहगाम तालुका के हलिसा गांव में बिजली कंपनी की कथित लापरवाही के चलते एक दर्दनाक हादसे में 23 वर्षीय भावनाबेन मेहुलजी मकवाना की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब 5:30 बजे भावनाबेन अनाज पिसवाने के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान बारिश और तेज हवा के बीच यूनियन बैंक के पीछे स्थित एक बड़ा पेड़ बिजली के खंभे पर गिर गया, जिससे हाई-टेंशन लाइन का लाइव तार टूटकर सीधे उन पर आ गिरा। गंभीर रूप से झुलसी महिला को बिजली सप्लाई बंद होने के बाद पहले छल्ला सरकारी अस्पताल और फिर गांधीनगर सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना का CCTV वीडियो भी सामने आया है।

जयपुर में ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर ऑटोरिक्शा चढ़ाकर फरार हुआ चालक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी का एक गंभीर मामला सामने आया है। मुरलीपुरा थाना क्षेत्र में रेड लाइट पार करने से रोकने की कोशिश कर रहे एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर ऑटोरिक्शा चालक ने वाहन चढ़ा दिया और मौके से फरार हो गया। घटना में पुलिसकर्मी के पैर में चोट आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक और ऑटोरिक्शा की तलाश शुरू कर दी है।

बीसलपुर बांध का जलस्तर 4 दिन बाद घटा, जिले में औसतन 6 मिमी बारिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। जिले में मंगलवार सुबह हुई हल्की बारिश से मौसम सुहावना हो गया। करीब 20 मिनट तक रिमझिम बारिश होने के बाद तापमान में गिरावट महसूस की गई। पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बीसलपुर बांध के भराव क्षेत्र में बारिश कम होने से चार दिन बाद पहली बार बांध के जलस्तर में एक सेंटीमीटर की कमी दर्ज हुई। मंगलवार सुबह 6 बजे बीसलपुर बांध का जलस्तर 313.68 आरएल मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो एक दिन पहले 313.69 आरएल मीटर था। वर्तमान में बांध में 26.079 टीएमसी यानी 67.38 प्रतिशत पानी उपलब्ध है। 24 घंटे पहले यह 26.148 टीएमसी (67.56 प्रतिशत) था। बारिश की आवक घटने और लगातार पेयजल आपूर्ति के कारण जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। बीसलपुर बांध से प्रतिदिन टोंक, जयपुर और अजमेर जिलों को करीब 950 से 1000 एमएलडी पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, जलस्तर बढ़ने के लिए प्रतिदिन होने वाली खपत से अधिक पानी की आवक जरूरी है।

भरतपुर में हाईवे पर खड़ी स्लीपर बस से टकराई रोडवेज बस, 8 यात्री घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में मंगलवार शाम आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। चिकसाना थाना क्षेत्र में कदम कुंज होटल के पास हाईवे पर खराब होकर खड़ी एक प्राइवेट स्लीपर कोच बस को पीछे से आ रही राजस्थान रोडवेज की बस ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। हादसे में रोडवेज बस में सवार करीब 8 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्लीपर कोच बस डिवाइडर पर चढ़ गई, जबकि रोडवेज बस के आगे का हिस्सा और शीशे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद रोडवेज बस का चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए।ट्रैफिक सीओ नरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्लीपर बस खराब होने के कारण हाईवे किनारे डिवाइडर के पास खड़ी थी और चालक क्रेन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान पीछे से आई रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दी। राहत की बात यह रही कि स्लीपर कोच बस में उस समय कोई यात्री मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

वसद टोल प्लाज़ा के पास ISR गाड़ी में आग लग गई, कर्मचारी के समय पर एक्शन लेने से बड़ा हादसा टल गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सुबह-सुबह वासद टोल प्लाज़ा के पास एक भयानक हादसा हुआ। वडोदरा की ओर जा रही एक प्राइवेट ढ्ढस्क्रगाड़ी में अचानक आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, मौके पर मौजूद टोल प्लाज़ा कर्मचारी की सतर्कता और तुरंत एक्शन लेने से इस गंभीर हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ और एक बड़ा हादसा टल गया। मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 6:00 बजे गाड़ी नंबर 5544 वासद टोल प्लाज़ा की लाइन नंबर तीन से गुज़री। टोल पार करने के बाद गाड़ी करीब 100 मीटर ही आगे बढ़ी थी कि अचानक इंजन से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते गाड़ी में आग लग गई। सुबह का समय होने के बावजूद टोल प्लाजा पर काफी ट्रैफिक था, जिससे डर का माहौल बन गया। आइसक्रीम वाली गाड़ी में आग लगने की खबर मिलते ही टोल प्लाजा पर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी धर्मेंद्रसिंह ठाकोर बिना देर किए मौके पर पहुंचे। उन्होंने समय का इस्तेमाल करते हुए टोल प्लाजा पर मौजूद तीन फायर एक्सटिंग्विशर बोतलों का इस्तेमाल करके आग को और फैलने से रोका। उनके तुरंत एक्शन की वजह से आग को गाड़ी के दूसरे हिस्सों में फैलने से पहले ही काबू करने में काफी सफलता मिली।

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी।

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए

जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं। आज आवश्यकता केवल तकनीकी समाधान की नहीं, बल्कि तकनीक, नैतिकता, कानून और उत्तरदायित्व के समन्वित मॉडल की है। सरकार को कठोर कानून, त्वरित न्याय और सक्षम जांच तंत्र विकसित करना होगा, डिजिटल कंपनियों को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा, वित्तीय संस्थानों को सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ानी होगी और नागरिकों को डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। साइबर अपराध और भारतीय डिजिटल जीवनशैली के बीच संतुलन ही विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि यह संतुलन स्थापित हो गया, तो डिजिटल भारत विश्व का सबसे विश्वसनीय डिजिटल लोकतंत्र बन सकता है, अन्यथा तकनीकी उपलब्धियां भी अविश्वास के बोझ तले दम तोड़ देंगी।

संपादकीय

विश्वास बहाली जरूरी

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था-विश्वास को आहत करने वाला चंदा-चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक में आखिरकार महामंत्री चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए। अब ट्रस्ट के अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री बनाया गया है। राममंदिर के चंदे में हेरफेर से उठे देशव्यापी विवाद के बाद प्राथमिकी दर्ज होने, एसआईटी के गठन और कुछ गिरफ्तारियों के बाद ये इस्तीफे अपरिहार्य थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं। वे दलित समुदाय से आते हैं। वे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने सोमवार को अयोध्या में उन बहुमूल्य वस्तुओं को मीडिया के सामने प्रदर्शित किया, जिनके गायब होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के संचालन के लिये विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये एक समिति का गठन किया गया है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक बाईस जुलाई को होगी। जिसमें महत्वपूर्ण फैसले लिये जाने का अनुमान है। कहा जा रहा है कि तब तक चंदा चोरी मामले में एसआईटी की रिपोर्ट भी आ जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि आस्था व विश्वास से खिलवाड़ के कृत्य की जांच के लिये क्या एसआईटी की जांच पर्याप्त है? क्या चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मात्र से उनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदार व्यवहार पर कार्रवाई पूरी मान ली जाए? क्या इतनी कार्रवाई मात्र से सारे प्रकरण से संदेह के बादल छंट जाएंगे और लोगों का खंडित भरोसा फिर से कायम हो जाएगा? अब तो संघ प्रमुख ने भी स्वीकारा है कि इस घटनाक्रम से व्यापक हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है। निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा- संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

धर्म का धन : श्रद्धा की अमानत, स्वार्थ का साधन नहीं

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

समाज की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह उसकी आस्था है। धन, सत्ता, ज्ञान और संसाधन समय के साथ बदल सकते हैं, परंतु जिस समाज की आस्था जीवित रहती है, वह समाज हर संकट से उबरने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि मंदिर, स्थानक, तीर्थ, उपाश्रय और धर्मस्थल केवल ईंट-पत्थरों से निर्मित भवन नहीं होते, बल्कि वे करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा, तप, त्याग और विश्वास के जीवंत केंद्र होते हैं।

एक श्रद्धालु जब धर्मस्थल में प्रवेश करता है, तो वह केवल पूजा करने नहीं आता; वह अपने मन की व्यथा, आशा, कृतज्ञता और विश्वास भी वहीं अर्पित करता है। उसकी दक्षिणा केवल मुद्रा नहीं होती, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई, उसके परिवार का विश्वास और धर्म के प्रति उसका समर्पण होता है। इसलिए धर्मस्थलों में आने वाला प्रत्येक अंश समाज की अमानत है।

दुर्भाग्य तब उत्पन्न होता है, जब धर्म के नाम पर प्राप्त धन या संसाधनों का उपयोग धर्म के उद्देश्य से हटकर व्यक्तिगत लाभ, वैभव, प्रतिष्ठा या स्वार्थ के लिए होने लगे। यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं होती, बल्कि समाज की आस्था पर कुठाराघात होता है। जिस धन में हजारों श्रद्धालुओं की भावनाएँ जुड़ी हों, उसका दुरुपयोग केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि आत्मा और अंतरात्मा का भी विषय है।

इतिहास साक्षी है कि धर्म का धन कभी किसी को स्थायी सुख नहीं दे पाया। जो संपत्ति छल, विश्वासघात या धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके अर्जित होती है, वह बाहर से भले वैभव का प्रदर्शन करे, पर भीतर शांति नहीं दे सकती। भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि अनुचित साधनों से प्राप्त धन अंततः विनाश का कारण बनता है। धर्म के धन के संदर्भ में यह बात और भी अधिक सत्य प्रतीत होती है, क्योंकि उसमें केवल धन नहीं, असंख्य लोगों की श्रद्धा समाहित होती है। जैन दर्शन के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने मानवता को संयम, सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह का अमूल्य संदेश दिया। इनमें अपरिग्रह का सिद्धांत विशेष रूप से आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। अपरिग्रह का अर्थ केवल अधिक वस्तुएँ न रखना नहीं है; इसका वास्तविक अर्थ है–लोभ, स्वार्थ, संग्रह की मानसिकता और अधिकार के दुरुपयोग से स्वयं को मुक्त करना।

यदि धर्म से जुड़े व्यक्ति ही अपरिग्रह को भूल जाएँ और धर्म को संग्रह, प्रभाव या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का साधन बना लें, तो भगवान महावीर के संदेश का सार ही समाप्त हो जाता है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसके अहंकार को छोटा करना है। धर्म हमें अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व सिखाता है; संग्रह नहीं, समर्पण सिखाता है; स्वार्थ नहीं, सेवा का मार्ग दिखाता है। धर्मस्थलों का निर्माण समाज के सहयोग से होता है। एक गरीब व्यक्ति अपनी छोटी-सी बचत से दान देता है, कोई किसान अपनी उपज का अंश अर्पित करता है, कोई व्यापारी अपनी आय का हिस्सा धर्मकार्य में लगाता है। सभी की भावना एक ही होती है–धर्म जीवित रहे, संस्कृति सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियाँ भी इन मूल्यों से जुड़ी रहें। ऐसे में यदि उस विश्वास को ठेस पहुँचती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज आहत होता है।

आज आवश्यकता आरोप लगाने या विवाद बढ़ाने की नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि की है। धर्मस्थलों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ होना चाहिए। आय-व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा, समाज के प्रति जवाबदेही और धर्म के उद्देश्य के अनुरूप संसाधनों का उपयोग–ये केवल प्रशासनिक व्यवस्थाएँ नहीं, बल्कि धार्मिक मयार्दाएँ हैं। समाज को भी यह समझना होगा कि धर्म की रक्षा केवल दान देने से नहीं होती, बल्कि धर्म की मयार्दाओं की रक्षा करने से होती है। जहाँ पारदर्शिता है, वहाँ विश्वास बढ़ता है; जहाँ विश्वास बढ़ता है, वहीं धर्म फलता-फूलता है। यदि कहीं त्रुटि दिखाई दे, तो उसका समाधान भी धर्मसम्मत, संयमित और संवादपूर्ण तरीके से होना चाहिए। कटुता, आरोप और वैमनस्य किसी भी धार्मिक वातावरण को शुद्ध नहीं बना सकते।

हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि व्यक्ति से बड़ा धर्म है, पद से बड़ी मयार्दा है और संस्था से बड़ी आस्था है। व्यक्ति बदल सकते हैं, व्यवस्थाएँ बदल सकती हैं, परंतु धर्म और उसकी प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। यदि धर्म की पवित्रता सुरक्षित रहेगी, तो समाज का विश्वास भी अडिग रहेगा।

भगवान महावीर का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा वैभव संग्रह में नहीं, त्याग में है; अधिकार में नहीं, उत्तरदायित्व में है; और बाहरी संपत्ति में नहीं, अंतःकरण की निर्मलता में है। यही संदेश आज प्रत्येक धार्मिक संस्था, प्रत्येक पदाधिकारी और प्रत्येक श्रद्धालु के लिए समान रूप से प्रासंगिक है।

आइए, संकल्प लें कि धर्म को कभी स्वार्थ का साधन नहीं बनने देंगे। मंदिर, स्थानक और तीर्थ केवल भवन नहीं, हमारी आत्मा के प्रतीक हैं। उनकी पवित्रता, पारदर्शिता और मयार्दा की रक्षा करना हम सभी का नैतिक और धार्मिक कर्तव्य है। जब धर्म शुद्ध रहेगा, तभी समाज सुदृढ़ रहेगा; और जब आस्था सुरक्षित रहेगी, तभी संस्कृति अमर रहेगी।

पंजाब ने बड़ी कीमत देकर शांति पाई, सतलुज के जरिये पुराने जख्मों को कुरेदना गलत है

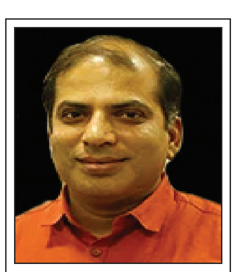

नीरज कुमार दुबे

पंजाब के अशांत दौर, राष्ट्रीय सुरक्षा और अभिव्यक्ति की बहस के बीच एक बार फिर विवादों के केंद्र में आई फिल्म सतलुज ने देशभर में तीखी बहस छेड़ दी है। अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। लेकिन यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि पंजाब के उस संवेदनशील और खून से सने दौर की कहानी को दोबारा सामने लाने की कोशिश है, जब आतंकवाद, अलगाववाद और सीमापार से प्रायोजित हिंसा ने पूरे राज्य को भय और अस्थिरता में धकेल दिया था। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर इस फिल्म को भारत में ओटीटी मंच से हटाने का फैसला न केवल उचित दिखाई देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी जिम्मेदार लोकतंत्र का कर्तव्य होता है।

हम आपको बता दें कि यह फिल्म पहले घल्लूघारा नाम से शुरू हुई थी। बाद में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की आपत्तियों के बाद इसका नाम पंजाब-95 रखा गया और अंततः इसे सतलुज नाम से प्रदर्शित किया गया। फिल्म की विषयवस्तु पंजाब पुलिस के आतंकवाद विरोधी अभियान और उस दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि जसवंत सिंह खालड़ा ने 1984 से लेकर 1994 के बीच हजारों अज्ञात शवों के कथित अंतिम संस्कार के मामलों की जांच की थी। बाद में उनका खुद का अपहरण हुआ और उनकी हत्या कर दी गई। अदालत ने इस मामले में कुछ पुलिसकर्मियों को दोषी भी ठहराया था।

देखा जाये तो इन तथ्यों से किसी को इंकार नहीं हो सकता कि पंजाब ने उस दौर में अत्यंत पीड़ा झेली। हजारों निर्दोष लोग मारे गए, परिवार उजड़ गए और भय का वातावरण पूरे राज्य पर छाया रहा। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, उनके दर्द के प्रति संवेदना व्यक्त करना हर संवेदनशील समाज का दायित्व है। लेकिन इसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि उस समय पंजाब किस परिस्थिति से गुजर रहा था, इसे भी ईमानदारी से समझा जाए। सीमापार से आतंकवाद को खुला समर्थन मिल रहा था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां पंजाब को अस्थिर करने के लिए सक्रिय थीं। अलगाववादी संगठन खुलेआम हथियारबंद हिंसा चला रहे थे। पुलिसकर्मियों, पत्रकारों, नेताओं और आम नागरिकों की हत्याएं रोजमर्रा की खबर बन चुकी थीं।

ऐसे भयावह दौर में पंजाब पुलिस ने जिस कठोर अभियान को चलाया, उसी के कारण राज्य धीरे धीरे सामान्य स्थिति में लौट सका। उस समय के पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल को लेकर आज अलग अलग राय हो सकती है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अगर पंजाब पुलिस और सुरक्षा बल कठोर कार्रवाई नहीं करते, तो शायद पंजाब आज भी आतंकवाद की आग में झुलस रहा होता। जिन्होंने उस दौर को अपनी आंखों से देखा है, वह जानते हैं कि हालात कितने गंभीर थे। केपीएस गिल और उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ जो अभियान चलाया, उसी ने पंजाब को अलगाववाद और बंदूक की राजनीति से बाहर निकालने में निर्णायक भूमिका निभाई। आज कुछ राजनीतिक दल और कथित बुद्धिजीवी पुलिसिया कार्रवाई को केवल एकतरफा तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय पंजाब में किस दल की सरकार थी। उस समय राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सत्ता किसके हाथ में थी और निर्णय कहां से लिए जाते थे, यह इतिहास का हिस्सा है। साथ ही जो लोग आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दे रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में भी झांकना चाहिए। खासतौर पर कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आपातकाल के दौरान देश की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्यों कुचल दी गई थी? अखबारों पर सेंसरशिप क्यों लगाई गई थी? विपक्षी नेताओं को जेलों में क्यों डाला गया था? यदि आज कोई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर कोई कदम उठाती है, तो उसे तानाशाही कहना इतिहास के साथ अन्याय होगा। इसी के साथ पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस तरह उसके कुछ नेता सतलुज फिल्म के पक्ष में खुलकर बयान दे रहे हैं, उससे यह आशंका भी पैदा होती है कि कहीं यह प्रयास राज्य सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने की रणनीति तो नहीं है। कहीं आम आदमी पार्टी यह तो नहीं चाहती कि विधानसभा चुनावों में उसके कामकाज की बजाय इतिहास की घटनाएं ही मुद्दा बन जायें? सभी को यह समझना होगा कि इतिहास से सीख लेना आवश्यक है, लेकिन इतिहास को वर्तमान पर इस तरह हावी कर देना कि भविष्य ही प्रभावित होने लगे, किसी भी राज्य और समाज के लिए उचित नहीं माना जा सकता। पंजाब को आज विकास, रोजगार, नशे के खिलाफ कड़े कदम और कानून व्यवस्था सुधारने जैसे वास्तविक मुद्दों पर आगे बढ़ने की जरूरत है, न कि पुराने घावों को बार बार कुरेदकर राजनीतिक लाभ लेने की। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि पंजाब कोई सामान्य राज्य नहीं, बल्कि देश का सीमावर्ती और अत्यंत संवेदनशील प्रदेश है। यहां के सामाजिक और धार्मिक तानेबाने को बिगाड़ने की कोशिशें पहले भी होती रही हैं और आज भी दुश्मन ताकतें मौके की तलाश में रहती हैं। ऐसे में पुराने घावों को इस प्रकार कुरेदना, जिससे समाज में नई वैमनस्यता पैदा हो, बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि किसी भी संवेदनशील विषय को बिना व्यापक सामाजिक परिणामों पर विचार किए प्रस्तुत कर दिया जाए।

फिल्म के प्रदर्शन को लेकर जिस प्रकार विवाद बढ़ा, उसने यह भी दिखाया कि ओटीटी मंचों के लिए स्पष्ट और कठोर नियमों की आवश्यकता है। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड ने अनेक कट लगाने के सुझाव दिए थे। पहले 21 कट और बाद में 120 से अधिक संशोधनों की बात सामने आई। इसके बावजूद फिल्म निमार्ताओं ने नया नाम देकर इसे ओटीटी मंच पर जारी कर दिया। ऐसे में सरकार द्वारा हस्तक्षेप करना स्वाभाविक था। यदि किसी सामग्री से सामाजिक तनाव या अलगाववादी भावनाओं को हवा मिलने की आशंका हो, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह समय रहते कदम उठाए।

दिलचस्प बात यह भी रही कि अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने स्वयं पहले ही आशंका जता दी थी कि फिल्म को भारत में हटाया जा सकता है। बाद में उन्होंने लोगों से इसे डाउनलोड कर दूसरों को दिखाने की अपील भी की। यह रवैया कई सवाल खड़े करता है। जब मामला इतना संवेदनशील हो, तब जिम्मेदार कलाकारों को समाज में शांति और संतुलन बनाए रखने का संदेश देना चाहिए, न कि विवाद को और भड़काने वाला व्यवहार करना चाहिए। यह सही है कि इतिहास के कठिन अध्यायों पर चर्चा होनी चाहिए। पीड़ितों को न्याय और सम्मान मिलना चाहिए। लेकिन किसी भी चर्चा का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि सीख देना होना चाहिए। पंजाब ने बहुत खून बहते देखा है। वहां की नई पीढ़ी शांति, विकास और भाईचारे के साथ आगे बढ़ना चाहती है। ऐसे समय में किसी भी प्रकार की ऐसी प्रस्तुति, जिससे अलगाववादी मानसिकता को बल मिले या सुरक्षा बलों के मनोबल पर आघात पहुंचे, उसे गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। बहरहाल, सरकार का निर्णय इसी व्यापक राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी ऊपर राष्ट्र की एकता, सामाजिक सद्भाव और सीमावर्ती राज्यों की स्थिरता है। पंजाब ने कठिन संघर्ष के बाद शांति हासिल की है।

सीतापुर में शर्मनाक हरकत: घरों में सप्लाई से पहले दूध में थूकता था दूधिया आरिफ 'हिंदू शेर सेना' ने रंगे हाथ पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीतापुर। कोतवाली देहात इलाके में 'हिंदू शेर सेना' के कार्यकर्ताओं ने घरों में सप्लाई करने से पहले दूध में थूकने वाले एक दूध विक्रेता आरिफ को रंगे हाथ पकड़ लिया. संगठन को पहले से जानकारी मिली थी कि एक दूधिया इस तरह की घिनौनी हरकत करता है, जिसके बाद उन्होंने जाल बिछाकर आरोपी की इस हरकत को कैमरे में कैद कर लिया. आदर्श नगर निवासी सौरभ के दरवाजे पर दूध देने पहुंचे आरोपी को मौके पर ही पुलिस बुलाकर उनके सुपुर्द कर दिया गया, जिसके बाद पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.मालूम हो कि हिंदू शेर सेना को पिछले कुछ समय से इस बारे में लगातार गुप्त जानकारी मिल रही थी कि क्षेत्र में एक दूधिया घरों में दूध बांटने से ठीक पहले उसमें थूकता है. इस इनपुट के बाद संगठन के लोग बेहद गुपचुप तरीके से सीतापुर के कोतवाली देहात इलाके के आदर्श नगर मोहल्ले में पहुंचे. कार्यकर्ता वहां घात लगाकर बैठ गए और सही समय का इंतजार करने लगे ताकि आरोपी को सबूत के साथ दबोचा जा सके. जिस वक्त संगठन के लोग वहां पहुंचे, ठीक उसी समय वह दूधिया आदर्श नगर के रहने वाले सौरभ नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर दूध की आपूर्ति करने के लिए खड़ा था. वह जैसे ही दूध निकालने लगा, हिंदू शेर सेना के कार्यकर्ताओं ने सारा मामला अपने कैमरे में कैद कर लिया. वीडियो में वह प्लास्टिक के डिब्बे में रखे दूध में बाकायदा थूकता हुआ साफ तौर पर पाया गया, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया.

आरोपी ने बचाव में दी अजीबोगरीब दलील

रंगे हाथ पकड़े जाने के बाद जब आरोपी से इस बारे में कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने अपने बचाव में एक बेहद अजीबोगरीब तर्क सामने रखा. दूधिया ने दावा किया कि वह दूध में थूक नहीं रहा था, बल्कि वह तो दूध को सूंघकर देख रहा था कि कहीं दूध खराब तो नहीं हुआ है. हालांकि, कैमरे में कैद हुए साफ वीडियो साक्ष्य के आगे उसका यह बहाना बिल्कुल नहीं चला और उसकी चालाकी धरी की धरी रह गई.

पुलिस के हवाले किया गया आरोपी आरिफ

इस पूरी घटना के बाद मौके पर ही तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना देकर बुला लिया गया और उक्त दूधिए को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया. इस संबंध में जानकारी देते हुए हिंदू शेर सेना के पुत्र शरीफ के रूप में हुई है, जो कि इमिलिया सुल्तानपुर का रहने वाला है.

'बाबा-बाबा कहकर चिढ़ाता था तो मार डाला', दरांती से काट दिया दोस्त का गला

गाजियाबाद के मोदीनगर में 21 वर्षीय युवक की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में के मोदीनगर स्थित निवाड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम पुठरी में 21 साल के युवक तरुण उर्फ नमित की धारदार हथियार से की गई निर्मम हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दरांती और मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक और उसके साथियों द्वारा आरोपी को 'बाबा' कहकर चिढ़ाया जाता था, जिससे नाराज होकर उसने वारदात को अंजाम दिया. पुलिस के अनुसार, रविवार शाम करीब पांच बजे तरुण उर्फ नमित घर से घूमने की बात कहकर निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा. सोमवार सुबह ग्रामीणों ने पुठरी गांव के गन्ने के खेत में उसका खून से लथपथ शव पड़ा देखा. शव पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे. सूचना मिलते ही निवाड़ी थाना पुलिस, फॉरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. मृतक के पिता निर्दोष कुमार की तहरीर पर थाना निवाड़ी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) और 238 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया. इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की. जांच के दौरान ग्राम पुठरी निवासी 23 साल के निरांचल उर्फ मंत्री पुत्र जगदीश का नाम प्रकाश में आया, जिसे पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह पूजा-पाठ में अधिक समय देता था, जिस कारण तरुण और उसके साथी उसे 'बाबा-बाबा' कहकर चिढ़ाते और परेशान करते थे. आरोपी के अनुसार, दो-तीन दिन पहले भी गांव के एक युवक के साथ मिलकर उसे बाबा- बाबा कहकर चिढ़ाया और परेशान किया गया था.

बांधवगढ़ में हिरण को केला खिलाना पड़ा भारी, वीडियो वायरल होते ही अनूप मिश्रा गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उमरिया। जंगल के राजा और वन्यजीवों के दीदार के लिए मशहूर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में एक सैलानी को कानून की धज्जियां उड़ाना बेहद भारी पड़ गया। रिजर्व के मगधी गेट के पास एक चीतल को प्यार से केला खिलाने वाले युवक के खिलाफ वन विभाग ने कड़ा एक्शन लेते हुए उसे सीधे कोर्ट के कटघरे में खड़ा कर दिया है। यह पूरा मामला सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद खुला। दरअसल, पचपेढ़ी पर्यटन क्षेत्र से सफारी कर लौट रहे कुछ पर्यटकों ने इस पूरी घटना को कैमरे में कैद कर लिया था, जिसके बाद यह वीडियो पार्क प्रबंधन के हाथ लगा।

अमले ने ऐसे दबोचा आरोपी

वीडियो सामने आते ही बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन हरकत में आया और जांच की कमान संभाली। अधिकारियों ने वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपी की शिनाख्त शुरू की। कड़ियां जोड़ते हुए आरोपी की पहचान

अनूप मिश्रा के रूप में हुई, जो अनूपपुर जिले की कोतमा तहसील के बेलिया बाड़ी गांव का रहने वाला है। इसके बाद वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के कड़े प्रावधानों के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार को अदालत में पेश किया गया।

क्यों जुर्म है जानवरों को खाना खिलाना?

बाघ अभ्यारण्य प्रबंधन ने इस कार्रवाई के साथ ही आम जनता और पर्यटकों के लिए एक सख्त एडवायजरी भी जारी की है। सूरजपुर में चप्पल लेकर भागे युवक, हाथी से हूटिंग पड़ी भारी, देखिए शॉकिंग वीडियो अधिकारियों ने साफ तौर पर चेताया है कि बदल जाता है स्वभाव जंगली जानवरों को इंसानी खाना खिलाने से उनका प्राकृतिक व्यवहार और शिकार करने की आदतें बदल जाती हैं।

इंसानों पर बढ़ती निर्भरता: जानवर भोजन के लिए पूरी तरह इंसानों पर निर्भर होने लगते हैं, जो उनके अस्तित्व के लिए खतरनाक है।

हमले का खतरा: भोजन के लालच में हिंसक या शाकाहारी जानवर पर्यटकों के बेहद करीब आ जाते हैं, जिससे इंसानों और वन्यजीवों दोनों की जान को खतरा हो सकता है।

गर्भवती महिला के पेट से निकला 10.2 किलो का ट्यूमर और 2.6 किलो का बच्चा

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों ने एक रोंगटे खड़े कर देने वाला ऑपरेशन कर नया इतिहास रच दिया है। डॉक्टरों की टीम ने एक गर्भवती महिला के पेट से स्वस्थ बच्चे की डिलीवरी कराने के साथ ही 10.2 किलोग्राम वजन का जानलेवा ओवरी ट्यूमर सफलतापूर्वक बाहर निकाला है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज और हमीदिया अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में उस वक्त डॉक्टरों की सांसें थम गईं, जब एक बेहद नाजुक और रोंगटे खड़े कर देने वाली सर्जरी शुरू हुई। डॉक्टरों की टीम ने न सिर्फ एक गर्भवती महिला के पेट से 2.6 किलोग्राम के स्वस्थ बच्चे को सुरक्षित जन्म दिलाया, बल्कि ठीक उसके पीछे छिपे 10.2 किलोग्राम वजन के एक विशालकाय और जानलेवा ओवरी ट्यूमर (अंडाशय की गांठ) को भी सफलतापूर्वक काटकर बाहर निकाल दिया। यह ऑपरेशन किसी चमत्कार से कम नहीं था, क्योंकि महिला के गर्भ में मासूम शिशु के साथ-साथ एक ऐसा भारी-भरकम ट्यूमर पल रहा था जो बच्चे के वजन से करीब चार गुना ज्यादा भारी था। जरा सी भी चूक जच्चा और बच्चा दोनों की जान ले सकती थी। लेडी सर्जन्स का बेजोड़ टीमवर्क जीएमसी की डीन डॉ. कविता सिंह और विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा वाधवानी के कुशल नेतृत्व में इस बेहद पेचीदा ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। सीनियर सर्जन डॉ. पल्लवी सिंह और डॉ. अदिति खरे की टीम ने अपनी जादुई उंगलियों और सूझबूझ से मौत के मुंह से दो जिंदगियों को सुरक्षित बाहर खींच निकाला। सर्जरी के सबसे नाजुक मोड़ पर एनेस्थीसियोलॉजिस्ट डॉ. तृप्ति वत्सल्य, डॉ. जितेन्द्र कुमार और डॉ. देवांशु सराफ ने महिला की स्थिति को स्थिर बनाए रखा, जबकि जूनियर डॉक्टरों ने भी मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभाई।

पूरे मध्य प्रदेश में गूंज

हमीदिया अस्पताल की इस ऐतिहासिक कामयाबी की गूंज अब पूरे प्रदेश के चिकित्सा जगत में है। ट्यूमर इतना बड़ा था कि उसने पेट के भीतर बच्चे के लिए जगह ही नहीं छोड़ी थी और अंदरूनी अंगों पर भारी दबाव बना रहा था। डॉक्टरों के इस बेजोड़ तालमेल और वर्ल्ड क्लास हुनर के चलते आज मां और नवजात शिशु दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने साबित कर दिया है कि विपरीत हालातों और सीमित संसाधनों के बीच भी उनका जज्बा गंभीर से गंभीर मरीजों के लिए साक्षात वरदान है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद संभल में एक्शन: सपा विधायक के बेटे के मॉल समेत दो पर छापा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के लखनऊ के भीषण अग्निकांड से सबक लेते हुए संभल में पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने पर समाजवादी पार्टी के विधायक के बेटे के मॉल सहित दो मॉल पर औचक छापेमारी की गई है. इस दौरान भारी कमियां मिलने पर प्रशासन ने एक मॉल को तुरंत बंद करा दिया. संभल के सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार और सीओ कुलदीप कुमार ने पुलिस फोर्स के साथ मुरादाबाद और बहजोई रोड पर स्थित दो मॉल पर औचक छापेमारी कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की. लखनऊ अग्निकांड के बाद जिला प्रशासन ने आग की घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से मुरादाबाद रोड पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख के 'सी मार्ट मॉल' और बहजोई रोड पर सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे शान इकबाल के 'सिटी मार्ट मॉल' पर यह कार्रवाई की. जांच में सी मार्ट का इमरजेंसी एग्जिट गेट बंद और फायर सिलेंडर एक्सपायर मिले, जिसके बाद उसे बंद करा दिया गया, जबकि विधायक पुत्र के मॉल में स्मोक डिटेक्टर और नक्शा न मिलने पर जवाब तलब किया गया है. प्रशासनिक टीम जब मुरादाबाद रोड स्थित पूर्व ब्लॉक प्रमुख के सी मार्ट मॉल पर पहुंची, तो वहां एंट्री और इमरजेंसी एग्जिट गेटों की जांच की गई. जांच के दौरान मॉल का इमरजेंसी एग्जिट गेट पूरी तरह बंद मिला, जिससे आपात स्थिति में लोग बाहर न निकल सकें. इसके अलावा मॉल के भीतर लगे हुए फायर सिलेंडर दो साल पहले यानी 2024 में ही एक्सपायर हो चुके थे. नियमों का ऐसा गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर सिटी मजिस्ट्रेट ने पुलिस बल की मौजूदगी में सी मार्ट मॉल को तुरंत बंद करवा दिया. इसके बाद टीम बहजोई रोड पर स्थित सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे शान इकबाल के सिटी मार्ट मॉल पहुंची.

मैहर में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक में घुसी कार...बर्थडे पार्टी से लौट रहे एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

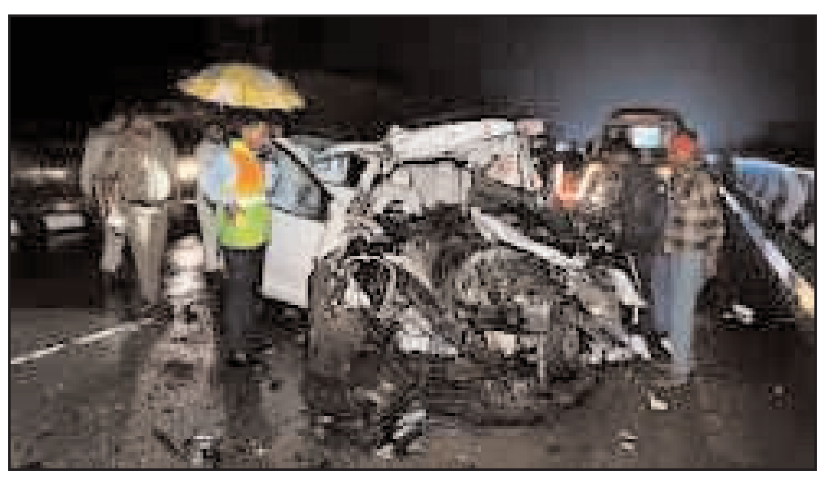

मैहर। रीवा रोड स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (हा-30) पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई. जबकि एक व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया. हादसा नादन थाना क्षेत्र के रीघरा गांव के पास हुआ. बताया जा रहा है कि सभी लोग जन्मदिन की पार्टी में शामिल होकर कार से अपने घर लौट रहे थे. इसी दौरान उनकी कार सामने चल रहे एक ट्रक के पीछे जा टकराई. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई. हादसे की सूचना मिलते ही नादन थाना पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे. काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया. पुलिस के अनुसार हादसे में पटेल परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार पीछे से ट्रक में जा घुसी. हालांकि, हादसे की सटीक वजह का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है. आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार या चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है.

घटना से परिवार में पसरा मातम

घटना के बाद मृतकों के परिवार में मातम पसरा हुआ है. स्थानीय लोगों ने भी इस हादसे पर गहरा दुख जताया है. पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा. मृतकों की पहचान अंकुर पटेल (40 वर्ष), मृदुल पटेल (32 वर्ष), विजय पटेल (30 वर्ष), हरिशंकर पटेल (25 वर्ष) और शिवा पटेल (23 वर्ष) के रूप में हुई है. इनमें से चार युवक मैहर जिले के तनाजा के रहने वाले थे, जबकि शिवा पटेल नरोरा गांव का निवासी था. हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ओम पटेल को पहले अमरपाटन सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे सतना मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है. फिलहाल वहां उसका इलाज जारी है.

शाहजहांपुर पुलिस कस्टडी में मौत: हार्ट अटैक से गई थी रेप के आरोपी की जान..

जिसको लेकर बवाल मच गया था और कड़ी सुरक्षा में व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया गया था. वहीं अब उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आ गई है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के में पुलिस कस्टडी में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी. युवक को अपनी ही नाबालिग सौतेली बेटी के साथ कथित तौर पर रेप के आरोप में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था. उसकी मौत पर बवाल हो गया था. वहीं अब उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है. जिसके अनुसार व्यक्ति की मौत हार्ट अटैक से हुई थी. एक अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि प्रदीप को रविवार शाम सिधौली पुलिस स्टेशन लाया गया था. उसकी 17 साल की सौतेली बेटी ने शिकायत की थी कि वह पिछले तीन साल से उसका रेप कर रहा था. सोमवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच प्रदीप का अंतिम संस्कार किया गया. पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बताया कि लड़की ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसका सौतेला पिता पिछले तीन साल से उसका यौन शोषण कर रहा था और दो महीने पहले उसकी शादी होने के बाद भी वह उसे ससुराल नहीं जाने दे रहा था. लड़की ने शिकायत में दावा किया कि शादी के बाद भी उसका सौतेला पिता उसका शोषण करता रहा और विरोध करने पर उसने उसके पति को सब कुछ बताने की धमकी दी. दीक्षित ने बताया कि शिकायत के बाद आरोपी को रविवार को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन लाया गया. रात में उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया. SP ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शुरुआती इलाज के बाद उसे सरकारी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि मौत की वजह हार्ट अटैक थी. उस किशोरी का एक कथित वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसमें उसने अपनी मां पर भी सौतेले पिता का साथ देने का आरोप लगाया है. उसने दावा किया कि उसकी मां ने उसके यौन शोषण में सक्रिय रूप से मदद की और जब भी उसने सौतेले पिता का विरोध करने की कोशिश की, तो उसकी मां ने उसे रोक दिया. किशोरी ने यह भी आरोप लगाया कि उसे तीन बार घर पर ही गर्भपात कराने के लिए मजबूर किया गया.

गाजियाबाद में ऑनलाइन बिक रहीं थीं नामी प्रकाशकों की नकली किताबें! मुरादनगर में पकड़ा गया जखीरा

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना क्षेत्र के राधेश्याम फेस-1 में पुलिस ने नकली किताबों के कारोबार का एक बार फिर भंडाफोड़ किया है बड़े पब्लिकेशंस की बड़ी संख्या में पायरेटेड किताबें बरामद की हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना क्षेत्र के राधेश्याम फेस-1 में पुलिस ने नकली किताबों के कारोबार का एक बार फिर भंडाफोड़ किया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने छापेमारी कर दो बड़े पब्लिकेशंस की बड़ी संख्या में पायरेटेड किताबें बरामद की हैं। आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि नकली किताबों का ये नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है और इनकी ऑनलाइन बिक्री किन माध्यमों से की जा रही थी। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता ललित सरदाना ने सूचना दी थी कि मुरादनगर के राधेश्याम फेस-1 क्षेत्र में भारती भवन और धनपत राय पब्लिकेशन की नकली किताबें तैयार कर ऑनलाइन बेची जा रही हैं।

पायरेटेड किताबें बरामद हुईं

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान आरोपी मोहित पुत्र सूरज सिंह के ठिकाने से बड़ी संख्या में पायरेटेड किताबें बरामद हुईं, जिन्हें पुलिस ने तत्काल जब्त कर लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी के घर पर इससे पहले भी इसी तरह की शिकायत पर छापेमारी हो चुकी है। उस दौरान भी भारी मात्रा में नकली किताबें बरामद की गई थीं। नवादा में निजी स्कूल के छात्र की शिक्षक ने की बेरहमी से पिटाई, पिता पहुंचे थाने इसके बावजूद दोबारा उसी तरह का अवैध कारोबार सामने आने से पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकली किताबों की छपाई कहां हो रही थी और इन्हें किन-किन जिलों में सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कक्षा 9 और 10 की गणित, अर्थशास्त्र सहित विभिन्न विषयों की नकल कर छापी गई पुस्तकें बरामद की हैं। सभी किताबों को कब्जे में लेकर सील कर दिया गया है। आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ऑनलाइन बिक्री से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य आरोपियों की भूमिका भी खंगाल रही है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
08 जुलाई 2026

भारी बारिश से मुंबई से टूटा वसई-विरार का रेल नेटवर्क, ट्रैक पर जलभराव से थमी लोकल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सप्ताह का पहला ही दिन पश्चिम रेलवे के यात्रियों के लिए परेशानी भरा रहा। सोमवार सुबह से हो रही भारी बारिश के चलते वसई और विरार के बीच लोकल ट्रेन सेवा प्रभावित हो गई। लगातार बारिश के कारण रेलवे ट्रैक पर पानी भरने लगा था। शुरुआत में एहतियात के तौर पर ट्रेनों को प्रतिबंधित गति (रिस्ट्रिक्टेड स्पीड) से चलाया गया, लेकिन बाद में नालासोपारा और वसई स्टेशन के ट्रैक पर पानी प्लेटफॉर्म के स्तर तक पहुंच गया। स्थिति गंभीर होने पर सुबह करीब 9:30 बजे से इस सेक्शन में लोकल सेवाएं बंद कर दी गईं। खबर लिखे जाने तक वसई-विरार सेक्शन में ट्रेन परिचालन शुरू नहीं हो सका था। इसके चलते पश्चिम रेलवे की लोकल सेवाएं केवल भायंदर से चर्चगेट और विरार से पालघर के बीच संचालित की जा रही थीं। हालांकि, सुबह भायंदर खाड़ी के पानी का स्तर बढ़ने से भायंदर तक की सेवाएं भी करीब आधे घंटे के लिए प्रभावित हुई थीं। लोकल सेवा बंद होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह जल्दी

घर से निकले कई लोग दफ्तर तो पहुंच गए, लेकिन उनके लिए वापस घर लौटना मुश्किल हो गया। रेल सेवा प्रभावित होने का असर सड़कों पर भी देखने को मिला और यात्रियों ने अधिक किराया वसूले जाने की शिकायतें भी कीं। वसई-विरार सेक्शन बंद होने से लंबी दूरी की ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुईं। कई ट्रेनों को शॉर्ट ओरिजिनेट, शॉर्ट टर्मिनेट और री-शेड्यूल करना पड़ा। मुंबई में 6 जुलाई को 24 घंटों के दौरान शहर में 100 मिमी से लेकर 265 मिमी से अधिक (कुछ इलाकों में करीब 300 मिमी तक) मूसलाधार बारिश दर्ज की गई है। इस भारी बारिश के कारण शहर में कई बड़ी दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें अलग-अलग हादसों में कम से कम 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। उपनगरीय (लोकल) सेवाएं (शाम 7 बजे तक) 100 लोकल ट्रेनें रद्द, करीब 120 ट्रेनें देरी से चलीं, लंबी दूरी की ट्रेनें प्रभावित, 16 ट्रेनें रद्द, 15 ट्रेनें शॉर्ट टर्मिनेट, 16 ट्रेनें शॉर्ट ओरिजिनेट, 26 ट्रेनें री-शेड्यूल, 13 ट्रेनों का मार्ग बदला गया, रेलवे अधिकारियों के अनुसार, स्टेशन के आसपास के इलाकों में पानी का स्तर स्टेशन परिसर के बराबर पहुंच गया है। नालासोपारा के अधिकांश हिस्सों में जलभराव होने से ट्रैक और स्टेशन परिसर में जमा पानी की निकासी प्रभावित हो रही है। पानी निकल नहीं पा रहा है। इसलिए सर्विस चलाना सुरक्षित नहीं है। अधिकारी ने कहा कि रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष बस सेवाओं की व्यवस्था भी की है।

दिल्ली में मर्सिडीज कार का कहर, स्कूटर सवार को मारी टक्कर... मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में 5 जुलाई को हुए हिट-एंड-रन हादसे में मर्सिडीज कार की टक्कर से स्कूटर सवार दीपक की मौत हो गई. हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया था. पीसीआर कॉल से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने हरियाणा नंबर की कार का पता लगाया और वाहन मालिक से पूछताछ की. पश्चिम दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में एक हिट-एंड-रन मामले में मर्सिडीज कार की टक्कर से स्कूटर सवार की मौत हो गई. एक एजेंसी के मुताबिक यह हादसा 5 जुलाई को आउटर रिंग रोड पर जहांगीरपुरी बस स्टैंड के पास फुट ओवरब्रिज के पास हुआ था. इस मामले में लग्जरी कार के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है. हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूटर सवार को गंभीर रूप से घायल हालत में पाया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान मंगोलपुरी निवासी दीपक के तौर पर हुई. जांच के दौरान पुलिस को एक PCR कॉलर से अहम जानकारी मिली. कॉलर ने बताया कि हरियाणा रजिस्ट्रेशन वाली एक मर्सिडीज कार ने स्कूटर को टक्कर मारी और मौके से भाग गई. पुलिस अधिकारी ने कहा कि गाड़ी का पता लगाया गया और उसके रजिस्टर्ड मालिक को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 133 के तहत नोटिस भेजा गया. मालिक ने बताया कि हादसे के समय अंश प्रताप सिंह कार चला रहा था. जांच के आधार पर सिंह की पहचान आरोपी के तौर पर की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया. जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (तेज़ और लापरवाही से गाड़ी चलाना) और 106(1) (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने बताया कि हादसे में शामिल मर्सिडीज कार को ज़ब्त कर लिया गया है. इस जानलेवा हादसे की असल वजह और घटनाक्रम का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है.

भाई से मारपीट का बदला लेने के लिए की बेरहमी से हत्या, पुलिस ने 3 आरोपियों को दबोचा

वजीराबाद क्षेत्र में चंदन सैनी की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस ने डेढ़ महीने बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भाई के साथ मारपीट और अपहरण की कोशिश का बदला लेने के लिए एक युवक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर परिचित युवक की हत्या कर दी। डेढ़ महीने बाद नॉर्थ जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वारदात में इस्तेमाल ऑटो और घटनास्थल से चाकू भी बरामद कर लिया है। डीसीपी नॉर्थ राजा बांठिया ने बताया कि 21 मई को वजीराबाद थाना पुलिस को सूचना मिली कि जगतपुर पुश्ता रोड के पास यमुना खादर में एक युवक का शव पड़ा है। हाथ पर बने टैटू के आधार पर मृतक की पहचान नेहरू विहार निवासी चंदन सैनी (34) के रूप में हुई। चंदन के खिलाफ पहले से स्नैचिंग, चोरी और सेंधमारी के कई मामले दर्ज थे। जांच में पता चला कि वारदात वाली रात चंदन एक ऑटो में घर से निकला था।

बदले की साजिश, फिर बेरहमी से हत्या

पुलिस को चंदन से पता चला कि चंदन की नेहरू विहार के तरुण उर्फ टन्नी से रंजिश थी। चंदन और उसके साथियों का तरुण के भाई सौरभ से झगड़ा भी हुआ था। इस आधार पर पुलिस ने तरुण की तलाश शुरू की। वह धीरज और चचेरे भाई सनी के साथ फरार मिला। पता चला तीनों मुंबई, अमृतसर, कटरा, हरिद्वार, लोनी और अन्य जगहों पर लगातार ठिकाने बदल रहे हैं। गुरुद्वारों में रुककर पहचान छिपा रहे हैं। 15 जुलाई को धीरज को लोनी से दबोचा गया। फिर तरुण और सनी को दिल्ली से पकड़ा गया। तरुण ने बताया कि उसने अपने भाई के साथ हुई मारपीट और अपहरण की कोशिश का बदला लेने के लिए हत्या की साजिश रची थी।

दिल्ली के स्कूलों में होगा बाल संरक्षण समितियों का गठन, LG-CM की मीटिंग में अहम फैसला

दिल्ली में स्थित 5,633 स्कूलों में बाल सुरक्षा समितियां बनाई जाएंगी. कर्मचारियों को क्व्हष्टस्ह एक्ट के बारे में ट्रेनिंग देगी.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है. जुलाई के अंत तक राष्ट्रीय राजधानी के सभी 5,633 स्कूलों में बाल सुरक्षा समितियां बनाई जाएंगी और शिक्षकों व स्कूल स्टाफ को POCSO एक्ट की ट्रेनिंग दी जाएगी. सरकार का टारगेट स्कूलों में बाल सिक्योरिटी मैनेजमेंट को स्थायी और प्रभावी बनाना है. अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि दिल्ली के सभी 5,633

स्कूलों में जुलाई के आखिर तक बाल सुरक्षा समितियां बनाई जाएंगी. इसके साथ ही, बच्चों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे बड़े अभियान के तहत शिक्षकों और स्कूल स्टाफ को POCSO एक्ट के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी. ये निर्देश उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राज निवास में हुई एक बैठक के दौरान दिए. दोनों नेताओं ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के उपाय संस्थानों का स्थायी हिस्सा बनने चाहिए, न कि सिर्फ महीने भर चलने वाले 'बाल सुरक्षा माह' अभियान तक ही सीमित रहें. एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राजधानी के सभी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा के लिए एक व्यापक चेकलिस्ट लागू की जा रही है. यह चेकलिस्ट 'राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग', 'दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग' और 'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम' के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है. इन 5,633 स्कूलों में दिल्ली सरकार के 1,077 स्कूल, सरकार से मदद पाने वाले 198 स्कूल, MCD, NDMC और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे 2,612 स्कूल और 1,746 प्राइवेट स्कूल शामिल हैं. बयान में कहा गया, 'दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों में पहले ही चाइल्ड प्रोटेक्शन कमेटियां यानी बाल सुरक्षा समितियां बनाई जा चुकी हैं. उप-राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इस महीने के आखिर तक राजधानी के सभी 5,633 स्कूलों में कमेटियां बनाई जाएं.

निर्माणाधीन पावर हाउस से केबल चुराती थीं महिलाएं, 3 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक इंडस्ट्रियल कंस्ट्रक्शन साइट से एक लाख रुपये से अधिक कीमत के कॉपर केबल चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए कॉपर के तार और अन्य सामान भी बरामद कर लिया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.

पुलिस ने ऐसे की गिरफ्तारी

पुलिस के अनुसार यह घटना 18 और 19 जून की दरमियानी रात वसई इलाके में निर्माणाधीन पावर हाउस परियोजना में हुई. यहां साइट पर रखे एक कंटेनर का ताला तोड़कर चोर करीब 1,08,784 रुपये कीमत के मल्टी-स्ट्रैंड कॉपर केबल लेकर फरार हो गए. घटना की जानकारी मिलने के बाद

साइट के प्रतिनिधि ने नायगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर घर में घुसकर चोरी का मामला दर्ज किया गया. मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे करीब 120 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली. फुटेज और अन्य तकनीकी सुरागों के आधार पर पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंची. जांच के बाद पड़ोसी ठाणे जिले के भिवंडी इलाके से 21 से 32 वर्ष आयु की तीन महिलाओं को हिरासत में लिया गया. पुलिस ने बताया कि लगातार पूछताछ के दौरान तीनों महिलाओं ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली. इसके बाद उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए कॉपर केबल और अन्य सामान बरामद किया गया. बरामद सामान की कुल कीमत 1,12,063 रुपये बताई गई है. पुलिस ने रविवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों का किसी संगठित चोरी गिरोह से संबंध है या नहीं. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उन्होंने पहले भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं.

कुएं में गिरा वर्धा का शख्स, 18 घंटे फंसा रहा, देवदूत बन आईं महाराष्ट्र की NCC कैडेट्स लड़कियां, यूं बचाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। वर्धा के सेवाग्राम के किसान जीवन टंकसांडे एक कुएं में गिर गए। वह यहां 18 घंटे से ज्यादा समय तक फंसे। एक स्थानीय महिला ने उन्हें देखा और फिर जीवन को नया जीवन देने की शुरुआत हुई। जीवन के लिए देवदूत बनकर आई नेशनल कैडेट कोर का लड़कियां। इन लड़कियों का कैंप नागपुर की नंबर 3 महाराष्ट्र (गर्ल्स) बटालियन NCC के में ही चल रहा था। किस्मत से, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की एक टीम भी यहां मौजूद थी। यह टीम प्राकृतिक आपदाओं के समय काम करने की ट्रेनिंग देने के लिए एनसीसी के कैंप में ही थी। कैंप के अधिकारी और NDRF की टीम 55 साल के टंकसांडे को बचाने के लिए तुरंत पहुंची। इससे पहले, कैंप की डिप्टी कमांडेंट, मेजर रिजू रावत (जो एक फुल-टाइम महिला अधिकारी यानी WTLO हैं) और पास के हॉस्टल के बगीचे में काम करने वाली महिला कामरुनिसा के बीच हुई एक आम बातचीत की वजह से ही NCC टंकसांडे की मदद के लिए पहुंच पाई।

हॉस्टल के बगीचे में काम करने वाली महिला ने दी सूचना

रिजू रावत ने बताया कि हमारा कैंप बापूराव देशमुख फाउंडेशन हॉस्टल में चल रहा है। कामरुनिसा रोज मेरे सामने से गुजरती थीं, और मैं बस उनसे पूछती थी, 'सब ठीक है?' और वह जवाब देती थीं। शनिवार को, कामरुनिसा भागती हुई मेरे पास आई और बताया कि एक आदमी पास के कुएं में गिर गया है। रिजू रावत ने कहा कि मैंने तुरंत कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल प्रीति तिवारी को सूचना दी। सूबेदार मेजर चंद्र भान सिंह, नर्सिंग असिस्टेंट जीबी जंगले और गणेश नाइक, और एक ड्राइवर के साथ रावत तुरंत उस जगह पहुंचे। देखा कि एक आदमी सड़क के पास एक छोटी सी छड़ को पकड़े हुए है। रिजू रावत से संपर्क करने से पहले, कमरुनिसा ने सड़क से गुजरने वाले लोगों को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। रावत के साथ अपनी जान-पहचान की वजह से बुजुर्ग कमरुनिसा को एहसास हुआ कि NCC से मदद मिल सकती है, क्योंकि राहगीरों को बुलाने की कोशिशें बेकार गई थीं। बचाव अभियान लगभग दो घंटे तक चला। NCC कर्मियों ने पहले कैडेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज़ के लिए कैंप में मौजूद रस्सियों का इस्तेमाल करके उसे बाहर निकालने की कोशिश की। हालांकि, थका हुआ किसान इतना कमजोर था कि वह अपने चारों ओर रस्सियां नहीं बांध पा रहा था। तभी रिजू रावत को याद आया कि कैंप में NDRF की टीम मौजूद है।

महाराष्ट्र में ऑपरेशन 3.0 की आहट के बीच उद्धव ठाकरे ने मातोश्री में बुलाई आपात बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के टूटने के बाद ममता बनर्जी पार्टी बचाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, तो वहीं महाराष्ट्र में नई पार्टी के सांसद टूटने के बाद उद्धव ठाकरे की चिंता 'ऑपरेशन टाइगर 3.0' की आहत ने बढ़ाई हुई। छह सांसदों के टूटने और फिर विश्वसनीय सचिन अहीर के शिंदे के साथ चले जाने से उद्धव ठाकरे की पार्टी में हड़कंप है। महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे ने अब अपने आवास मातोश्री में एक आपात बैठक बुलाई है।

आज बैठक होने की संभावना

उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई विधायकों की यह इमरजेंसी मीटिंग मंगलवार को हो सकती है। अब तक साफ नहीं है कि इस बैठक का मुख्य एजेंडा क्या होगा। सूत्रों ने बताया है कि शाम 7 बजे होने वाली इस बैठक का मकसद नेताओं के पार्टी छोड़ने से हुए नुकसान की भरपाई करना और पार्टी से और नेताओं को जाने से रोकना है। पार्टी नहीं चाहती है कि उसे अब और नुकसान हो। महाविकास आघाड़ी में उद्धव ठाकरे की पार्टी के पास ही सर्वाधिक विधायक हैं।

शिंदे के नेता बढ़ा रहे धड़कनें

सांसदों के बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि ऑपरेशन टाइगर के तहत यूबीटी के कई विधायक भी दल-बदल की तैयारी कर रहे हैं। शिवसेना के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने दावा किया कि ऑपरेशन टाइगर 3.0 पहले ही शुरू हो चुका है 14 विधायकों के उप मुख्यमंत्री शिंदे के खेमे में शामिल होने की उम्मीद है। शिंदे गुट के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने आधिकारिक तौर पर ऐसे किसी भी ऑपरेशन से इनकार किया है।

उद्धव ठाकरे की क्या है तैयारी

यह भी चर्चा है कि बैठक में राज्य विधानसभा के चल रहे मानसून सत्र के आखिरी हफ्ते के लिए पार्टी की रणनीति को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। उद्धव गुट में 9 सांसद थे, जिनमें से 6 हाल ही में पाला बदल चुके हैं। उद्धव ठाकरे ने यह बैठक ऐसे वक्त पर बुलाई है जब उन्होंने राम मंदिर दान और चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर राम रक्षा आंदोलन शुरू किया है।

दिल्ली से गुरुग्राम तक झमाझम बारिश, तेज हवाओं ने मचाया कहर, ईस्ट ऑफ कैलाश में गाड़ियों पर गिरा पेड़

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने करवट ली है. काले बादल और तेज हवाओं के बीच दिल्ली से लेकर गुरुग्राम तक कई इलाकों में बारिश की गतिविधियां जारी हैं

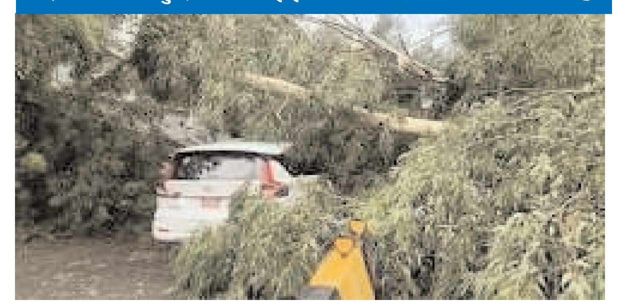

स्वर्ण खबर डेस्क

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आखिरकार मॉनसून का असर दिखाई देने लगा है. आसमान में घने काले बादलों के बीच कुछ जगहों पर हल्की बारिश और बूंदाबादी देखने को मिल रही है. वहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम समेत एनसीआर के कई इलाकों में हवाओं के साथ तेज बारिश की गतिविधियां देखी जा रही हैं. मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने दोपहर के बाद पूरी दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है. मौसम का मिजाज बदलने से लोगों को उमस वाली गर्मी से राहत मिली है. सुबह से ही दिल्ली-एनसीआर के आसमान में काले बादलों की आवाजाही देखी जा रही है. दिल्ली से लेकर गुरुग्राम तक तेज हवाएं चलने से तापमान में भी गिरावट आई है.

ईस्ट ऑफ कैलाश इलाके में गाड़ियों पर गिरा पेड़

तेज हवाओं के बीच दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के ईस्ट ऑफ कैलाश इलाके में एक बड़ा पेड़ गाड़ियों पर गिर गया है. इस घटना में कम से कम 4-5 गाड़ियों को नुकसान हुआ है. हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन गाड़ियों के मालिकों को बड़ा नुकसान हुआ है. गुरुग्राम में मूसलाधार बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत दी है. गुरुग्राम के हीरो होंडा चौक से सुभाष चौक की ओर जाने वाली सड़क पर तेज बारिश से गाड़ियों की रफ्तार धीमी हुई है. भारी बारिश से कई जगहों पर पानी भर गया है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के मुताबिक दिल्ली में आज (मंगलवार), 7 जुलाई को तापमान 30-35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. बता दें कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2 जुलाई को दिल्ली में मॉनसून के पहुंचने की आधिकारिक पुष्टि की थी. मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले कुछ घंटों में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है. इस दौरान तेज हवाओं के साथ कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. हवाओं की रफ्तार 30-50 किलोमीटर प्रति घंटा या उससे ज्यादा रह सकती है. राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में और आगे बढ़ेगा.

रक्षा बंधन पर दिल्ली सरकार का बड़ा तोहफा! महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2500

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक खर्चों में मदद प्राप्त कर सकेंगी महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए बहुप्रतीक्षित महिला समृद्धि योजना को रक्षा बंधन के मौके पर शुरू करने की तैयारी में है. सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस योजना का औपचारिक शुभारंभ 28 अगस्त को किया जा सकता है. योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 सीधे उनके बैंक खाते में भेजे जाएंगे. बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योजना की शुरुआत कर सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होना बाकी है. दिल्ली सरकार ने इस योजना के लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं. ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल तैयार है और पात्रता के मानदंड भी तय कर दिए गए हैं. वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए ?5110 करोड़ का प्रावधान किया गया है. अनुमान है कि दिल्ली की 20 से 22 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पहले ही स्पष्ट कर चुकी हैं कि सरकार योजना को पूरी तैयारी के साथ लागू करना चाहती है, ताकि सभी पात्र महिलाओं तक इसका लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचे और भविष्य में भी योजना सुचारु रूप से चलती रहे. महिला समृद्धि योजना का लाभ केवल दिल्ली की आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मिलेगा. इसके लिए निर्धारित प्रमुख पात्रताएं इस प्रकार हैं. आवेदक महिला की आयु 21 से 60 वर्ष के बीच हो.राशन कार्ड धारक महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी.किन महिलाओं को नहीं मिलेगा लाभ? सरकार ने कुछ श्रेणियों की महिलाओं को योजना से बाहर रखा है. इनमें शामिल हैं सरकारी नौकरी करने वाली महिलाएं, आयकर भरने वाली महिलाएं, सरकारी पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाएं और चार पहिया वाहन की मालिक महिलाएं. ऑनलाइन आवेदन के लिए क्या-क्या दस्तावेज जरूरी? योजना के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा.

झालोद में शादीशुदा महिला ने फांसी लगाकर जान दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। झालोद शहर के जैन मंदिर के पास कुंभारवाड़ा इलाके में एक शादीशुदा महिला के अपने घर में फांसी लगाकर जान देने के बाद इलाके में मातम का माहौल है। मिली जानकारी के मुताबिक, मूल रूप से मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के उमराली गांव के रहने वाले राहुल शंकरलाल प्रजापति पिछले छह

महीने से झालोद के कुंभारवाड़ा इलाके में राजूभाई चुन्नीलाल प्रजापति के किराए के मकान में अपनी पत्नी सजनाबेन और मां के साथ रह रहे थे। वह झालोद शहर में सब्जी का कारोबार करके अपने परिवार का गुज़ारा करते थे। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, राहुलभाई दोपहर करीब 2 बजे घर आए और फिर अपनी पत्नी से मिलने के लिए बाहर चले गए। उसके बाद उनकी मां शाम करीब 4 बजे घर लौटीं। घर का मेन दरवाज़ा अंदर से बंद था। कई बार दरवाज़ा खटखटाने पर भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने लोहे की खिड़की पर लगी मच्छरदानी हटाकर अंदर देखा तो उनकी बहू सजनाबेन छत पर लगे हुक से लटकी हुई थी। घटना की जानकारी मिलने पर आस-पास के काफी लोग जमा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची।

पुराना पेड़, लोगों ने किया विरोध तो डिजाइन बदला

अमृतसर (एजेंसी)। शहर के मेहता रोड फोरलेन निर्माण के दौरान पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल कायम की गई है। यहां गिल गांव के पास हाईवे निर्माण में आ रहे करीब 300 साल पुराने पीपल के पेड़ को काटने की योजना थी लेकिन गांव वाले गुरजंट सिंह, सुखबीर सिंह, डॉ.गुरमीत सिंह जोहल समेत अन्य ने इसका विरोध किया, जिसके बाद एनएचएआई ने सड़क का डिजाइन बदल दिया। पेड़ के आसपास की जगह को भी संरक्षित कर दिया। वहीं डीएफओ ने बताया कि यह पीपल का पेड़ करीब 300 साल पुराना है जो बेहद सुंदर और घनी छाया देता है। उन्होंने खुद मौके पर जाकर निरीक्षण किया और इसे संरक्षित रखने के फैसले की सराहना की। यह उदाहरण दिखाता है कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी संभव है, बशर्ते सब मिलकर कोशिश करें।

दर्दनाक हादसा : कुएं में गिरे 13 हिरण और एक कुत्ता, सभी की मौत

भोपाल (एजेंसी)। शुजालपुर अनुभाग की कालापीपल तहसील के खरदौनकलां गांव में हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां एक खेत के कुएं से तेरह हिरणों और एक आवारा कुत्ते के शव बरामद हुए हैं। खेत मालिक कृष्णाबाई पाटीदार के परिजनों को कुएं से तेज दुर्गंध आने पर यह भयावह दृश्य दिखा। शव बुरी तरह सड़े-गले होने के कारण आशंका है कि यह घटना कुछ दिन पहले हुई होगी। सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होने के कारण नायब तहसीलदार की देखरेख में सभी शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद घटनास्थल के पास ही विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि हिरणों का झुंड किसी आवारा कुत्ते से बचने के दौरान तेजी से भागा और कुएं में जा गिरा। जिस कुत्ते से वे बच रहे थे, वह भी शायद उनके साथ ही कुएं में गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कुएं की मुंडेर (सुरक्षा दीवार) का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त था, संभवतः उसी टूटे हिस्से से ये हिरण गिरे। मृत हिरणों में चार नर और नौ मादा शामिल हैं। कालापीपल-शुजालपुर क्षेत्र हिरणों की बड़ी आबादी के लिए जाना जाता है। कुछ समय पहले ही यहां से बोमा पद्धति द्वारा सैकड़ों हिरणों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया गया था। यह घटना क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और कुओं की उचित मुंडेर जैसे सुरक्षा उपायों के महत्व को रेखांकित करती है। वन विभाग ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

पत्नी ने पहले छत से दिया धक्का, बच गया तो ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर कर दिया इंजेक्ट

-पुलिस को किया गुमराह, पोस्टमार्टम में खुला राज, महिला, प्रेमी व दोस्त गिरफ्तार

निजामाबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक महिला नर्स ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी नर्स संध्या (32), उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी जानकारी सोमवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक महिला का पति प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिल सकी है। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें विवाद होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में वह छत से गिर गए थे। जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का दावा है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया था। प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर शक हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है।

करूर हादसे में पीड़ितों को मुआवजा देने से रोकने की डीएमके की याचिका खारिज

हम सीएम के काम तय नहीं करेंगे, कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में रैली में हुए हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। डीएमके ने मौजूदा टीवीके सरकार के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। सीएम विजय हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें मुआवजा और नौकरी देने की बात कही है, डीएमके का कहना था कि सीएम विजय को रोकना चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके की याचिका को खारिज कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसी भी सीएम की गतिविधियों को तय नहीं करेंगे। जजों ने डीएमके के वकील से कहा कि वह कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं। अगर सत्ताधारी टीवीके के नेता हादसे को लेकर बयान दे रहे हैं, तो डीएमके भी उसके जवाब में बयान दे सकती है। यह लड़ाई कोर्ट के बाहर लड़ी जानी चाहिए। डीएमके ने याचिका दाखिल कर कहा था कि पिछले साल टीवीके की रैली में हुए हादसे की जांच को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सीएम विजय 41 लोगों की मौत वाले इस हादसे के पीड़ितों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी देने के लिए करूर जाने वाले हैं। डीएमके ने इसका विरोध किया था।

बता दें पिछले साल सितंबर में टीवीके की करूर में एक रैली की थी, जिसमें भगदड़ मच गई थी। इस दौरान 41 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की जांच मद्रास हाईकोर्ट ने विशेष जांच दल को सौंपी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच राज्य पुलिस से लेकर सीबीआई के हाथों में दे दी थी। खास बात यह है कि जांच की निगरानी कोर्ट एक कमेटी भी कर रही है। सीएम विजय पीड़ित परिवारों से मिलने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ में गैर मुस्लिम से निकाह करने लेनी होगी वक्फ बोर्ड से अनुमति

-अंतर-धार्मिक निकाह प्रक्रिया को पारदर्शी व व्यवस्थित बनाने नई व्यवस्था लागू

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में अंतर-धार्मिक निकाह की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। प्रस्तावित नियम अगस्त 2026 से पूरे प्रदेश में प्रभावी होंगे। इसके तहत यदि कोई मुस्लिम युवती या युवक किसी गैर-मुस्लिम से निकाह करना चाहता है, तो पहले वक्फ बोर्ड से अनुमति लेना जरुरी होगा। अनुमति के लिए दोनों पक्षों की सहमति, पहचान संबंधी दस्तावेज, आवश्यक होने पर मतांतरण से जुड़े दस्तावेज और अन्य कानूनी औपचारिकताओं की जांच की जाएगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही निकाह की अनुमति दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने प्रदेश के सभी निकाह पढ़ाने वाले मौलानाओं का पंजीयन भी अनिवार्य करने का फैसला लिया है। केवल पंजीकृत मौलाना ही निकाह पढ़ा सकेंगे। बिना अनुमति या नियमों का उल्लंघन कर निकाह कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने बताया कि वर्तमान में कई स्थानों पर निकाह का कोई केंद्रीय रिकॉर्ड नहीं होने से भविष्य में पहचान, वैवाहिक स्थिति और दस्तावेज से जुड़े विवाद सामने आते हैं। नई व्यवस्था के तहत हर निकाह का रिकॉर्ड वक्फ बोर्ड के पास सुरक्षित रहेगा और एक समान प्रारूप में निकाहनामा और प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि यह व्यवस्था किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि निकाह प्रक्रिया को कानूनी रूप से पारदर्शी बनाने, फर्जी दस्तावेज, विवादित निकाह और शिकायतों की निगरानी के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

कांग्रेस बाद में रोना मतः ओवैसी ने जताई एनआरसी लागू होने की आशंका

-एसआईआर पर सवाल उठाते हुए बोले- अमित शाह कच्चा काम नहीं करते

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आशंका जताई है कि भविष्य में इसे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की दिशा में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को भी आगाह करते हुए कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो बाद में शिकायत करने का कोई लाभ नहीं होगा।

वकीलों की एक बैठक को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिना योजना के कोई कदम नहीं उठाते। उन्होंने कहा, अमित शाह कच्चा काम नहीं करते, वे हर कदम एक तय कार्यक्रम के तहत उठाते हैं। मुझे संदेह है कि आखिरकार सरकार एनआरसी लागू करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसांख्यिकी की जांच के लिए सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय आयोग भी इसी दिशा का संकेत हो सकता है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनकी आशंका गलत भी साबित हो सकती है।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाना है। उन्होंने तेलंगाना सरकार से स्थायी निवास प्रमाणपत्र (परमानेंट रेसिडेंट सर्टिफिकेट) जारी करने और इसके लिए स्पष्ट मानक तय करने की मांग की। उनका कहना था कि सरकार को समय रहते रचनात्मक कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि यदि गरीबों के नाम मतदाता सूची से कटते हैं तो बाद में रोने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को समय रहते इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग फिलहाल तेलंगाना सहित 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चला रहा है। ओवैसी का कहना है कि यदि इस प्रक्रिया में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटते हैं, तो भविष्य में उन्हें नागरिकता संबंधी अन्य प्रक्रियाओं में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, एनआरसी को लेकर विपक्षी दल पहले से ही केंद्र सरकार के रुख का विरोध करते रहे हैं।

देशभर में मानसून का कहर...टैंकर-गाडि़यां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी, कई मलबे में दबे; पहाड़ से गिरे पत्थर और मिट्टी से घर-दुकानें बर्बाद हुईं

वायनाड में लैंडस्लाइड, 4 की मौत, डोडा में बादल फटने से बाढ़

वायनाड/जम्मू/भोपाल (एजेंसी)। मानसून देशभर में पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मानसूनी बारिश से कई राज्यों और शहरों में स्थिति चिंताजनक हो गई है। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुआ। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। वहीं जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। सडक़ों पर कई गाडि़यां मलबे में दब गईं। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। वहीं, मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 35 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। खजुराहो में सबसे ज्यादा 4.4 इंच बारिश दर्ज की गई। बमीठा में नेशनल हाईवे-39 पर 3 फीट तक पानी भर गया।

वायनाड में हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंसे। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। मलबा हटाने के लिए छ्व्रष्टक्च मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था।

भारत-नेपाल सीमा पर यूक्रेनी महिला गिरफ्तार, बिना वैध दस्तावेज नेपाल जाने की कोशिश नाकाम

पूर्वी चंपारण (एजेंसी)। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम के सहयोग से यूक्रेन की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार किया है। महिला पर बिना वैध यात्रा एवं आव्रजन दस्तावेज के भारत में रहने और हरपुर बॉर्डर के रास्ते अवैध रूप से नेपाल जाने का प्रयास करने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां उससे गहन पूछताछ कर रही हैं और पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सीमा क्षेत्र में एक विदेशी महिला की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सैनिक रोड के समीप विशेष जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान महिला को रोककर उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके बाद उसे विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला हरपुर सीमा के रास्ते भारत से नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास कर रही थी। अब सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह भारत में कब और किस माध्यम से पहुंची, किन-किन स्थानों पर रही और उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। इसके अलावा इस बात की भी जांच की जा रही है कि कहीं इस मामले के पीछे कोई संगठित गिरोह या मानव तस्करी नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। सीमा सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विदेशी नागरिकों के आवागमन से जुड़े मामलों में आव्रजन नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। बिना वैध दस्तावेज के किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने गिरफ्तार महिला के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस, एसएसबी और अन्य केंद्रीय एजेंसियां संयुक्त रूप से मामले के हर पहलू की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि जांच पूरी होने के बाद इस मामले से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

राम मंदिर विवादः मायावती का विपक्ष को चैलेंज, सबूत दो, वरना ये सिर्फ चुनावी दिखावा है

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चंदे के कथित गबन की जांच को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रबंधकों की मिलीभगत या लापरवाही के कारण गड़बड़ी हो सकती है। 7 जनवरी, 2026 को X पर एक पोस्ट में, मायावती ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) समेत विपक्षी दलों की आलोचना की और चेतावनी दी कि ठोस सबूत के बिना उनके दावों को सच्ची निष्ठा के बजाय राजनीतिक दिखावा माना जाएगा।

उन्होंने लिखा कि यूपी में अयोध्या के श्री राम मंदिर के बाद, अब उत्तराखंड राज्य के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की चोरी और गबन का मामला भी काफी चर्चा में है। इन दोनों मशहूर धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी ठीक से जांच होनी चाहिए; वरना, भविष्य में उनकी जगह नियुक्त होने वाले दूसरे मुख्य प्रबंधक इसका गलत फायदा उठा सकते हैं। मायावती ने आगे कहा कि क्योंकि आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ियां हुई हैं, वे या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत से हुई हैं या उनकी लापरवाही के कारण। इसलिए, अब इस मामले की ठीक से जांच करना बहुत ज़रूरी है, और सरकार तथा SIT को इस मामले पर खास ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्षी पार्टियां 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले गबन के इस मामले का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रही हैं। पोस्ट में लिखा है कि साथ ही, SP, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दलों के वरिष्ठ नेताओं ने यहां (श्री राम मंदिर में) चढ़ावे की भारी चोरी और गबन के जो दावे किए हैं, उनके बारे में उनसे ठोस सबूत भी मांगे जाने चाहिए, ताकि कोई चोर या गबन करने वाला बच न सके; वरना, इसे सिर्फ़ राजनीतिक दिखावा माना जाएगा—यानी सच्ची श्रद्धा नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों को दरकिनार करके ये पार्टियां अब इस मुद्दे की आड़ में चुनाव लड़ना चाहती हैं—आम चर्चा यही है।

राम मंदिर दान में गबन का विवाद उत्तर प्रदेश के बाहर भी चर्चा का विषय बन गया है। विपक्षी पार्टियों ने राज्य सरकार की आलोचना की है और AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि उनके पास इस बात के सबूत हैं। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की शुरुआती जांच में काउंटिंग रूम में सुरक्षा में गंभीर चूक और कुछ कर्मचारियों द्वारा कैश को व्यवस्थित तरीके से छिपाने का मामला सामने आया है। 27 अप्रैल से 5 जून के बीच देखे गए CCTV फुटेज में कर्मचारियों द्वारा कैश के बंडल छिपाने की लगभग 70 संदिग्ध घटनाएं सामने आईं।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को एनआईए कोर्ट ने सुनाई सज़ा

लखनऊ (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले 15 व्यक्तियों को एनआईए स्पेशल कोर्ट ने कड़ा दंड सुनाया है। लखनऊ स्थित एनआईए स्पेशल कोर्ट ने इन सभी 15 दोषियों को 5-5 साल की कठोर कैद की सजा दी है। ये सभी दोषी बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम बताए जा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 28-28 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जिन लोगों को सजा सुनाई गई है, उनमें महफूजुर रहमान, अल अमीन अहमद, खोखन सरदार, अलाउद्दीन तारीक, जमील अहमद, हुसैन मोहम्मद फहद, शखावत खान, असीदुल इस्लाम, जैनुल इस्लाम, राजीव हुसैन, मोमिनुर इस्लाम, मेहंदी हसन, शाओन अहमद, मोहम्मद जमील और नूर अमीन शामिल हैं।

ये सभी व्यक्ति बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद पश्चिम बंगाल में छिप कर रह रहे थे। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने अदालत को अपनी जांच में बताया कि एक सुनियोजित साजिश के तहत मिथुन मंडल, विक्रम सिंह, महफूज और समीर मंडल उर्फ टोनी, मोहम्मद जमील सहित कुछ अन्य लोग बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ करा रहे थे। एटीएस ने खुलासा किया कि यह गिरोह एक संगठित सिंडिकेट के रूप में काम कर रहा था, जो बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराता था। इतना ही नहीं, यह गिरोह घुसपैठियों के लिए फर्जी भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट तक बनवा रहा था। एटीएस ने अदालत को यह भी जानकारी दी कि कई बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के लिए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनाए गए थे, और मानव तस्करी के माध्यम से उन्हें भारत से कई अन्य देशों में भी भेजा गया था। यह मामला मानव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकता कानूनों का उल्लंघन कर रहा था। इस गिरोह के सदस्यों को अक्टूबर 2021 में एटीएस ने देश के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई से भारत में अवैध घुसपैठ और मानव तस्करी से जुड़े आपराधिक सिंडिकेट पर कड़ी चोट पड़ी है। एनआईए कोर्ट का यह फैसला उन लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो भारत की सीमाओं का उल्लंघन करने और अवैध गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करते हैं। यह फैसला अवैध घुसपैठ के खिलाफ भारत की सख्त नीति को दर्शाता है और भविष्य में ऐसे प्रयासों को रोकने में मदद करेगा। इस तरह की गतिविधियां न केवल देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों पर भी अनावश्यक बोझ डालती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा बनी रहे, इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

केजरीवाल ने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प से मांगा लिखित आश्वासन

-ई20 पेट्रोल से गाडि़यों होंगी खराब तो कंपनियां करेंगी नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को घोषणा की कि वे सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों को चिट्ठी लिखेंगे और ग्राहकों के लिए लिखित आश्वासन मांगेंगे। दरअसल, वे गाडि़यों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उपयोग करने पर आ रही शिकायतों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांग कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि वे कंपनियों से लिखित रूप में आश्वासन चाहेंगे कि यदि उनकी गाडि़यों में ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) का उपयोग किया जाए तो यदि माइलेज 10 फीसदी से अधिक गिरता है, तो क्या कंपनी ग्राहक को नुकसान की भरपाई करेगी? यदि गाड़ी का कोई भी पार्ट डैमेज होता है, तो कंपनी उसे मुफ्त में रिप्लेस करेगी? उन्होंने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प जैसी कंपनियों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि उनकी सार्वजनिक बातें और ओनर मैनुअल में दी गई चेतावनियां (जो अक्सर ई10 तक सीमित सिफारिश करती हैं) एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं।

30 करोड़ वाहनों को खतरे में डाल रही सरकार

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिना तैयारी के पूरे देश पर ई20 पेट्रोल थोप रही है, जिससे 30 करोड़ वाहन प्रभावित हो सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि कई ऑटो कंपनियों के ओनर मैनुअल में ई10 से अधिक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की अनुमति नहीं दी गई है, जबकि कंपनियां सरकार के दबाव में अलग बयान दे रही हैं। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर ई0, ई10 और ई20 तीनों विकल्प उपलब्ध कराए जाएं, जिससे उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार पेट्रोल चुन सकें।

सरकार जबरदस्ती ई20 पेट्रोल थोप रही है

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर लोगों की चिंताएं हैं, लेकिन केंद्र सरकार लगातार इसे लागू करने पर अड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को समझाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है और ऑटो कंपनियों से भी ई20 के पक्ष में बयान दिलवा रही है। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई को छह प्रमुख ऑटो कंपनियों को बुलाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कराई गई, जहां ई20 पेट्रोल को सुरक्षित बताया गया।

सरकार लाएगी सहकारी जीवन बीमा और भारत टैक्सी जैसा एग्रीगेटर

मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही एक सहकारी जीवन बीमा कंपनी और 'भारत टैक्सी' की तर्ज पर एक सहकारी यूटिलिटी एग्रीगेटर को बढ़ावा देने में मदद करेगी, जिससे सहकारी क्षेत्र का विस्तार होगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि इफ्को-टोक्यो जनरल इंश्योरेंस की सफलता से प्रेरणा लेते हुए, जो इफ्को और जापान के टोक्यो मरीन ग्रुप का संयुक्त उद्यम है, यह नई जीवन बीमा कंपनी बीमा क्षेत्र में सहकारी समितियों की पहुंच बढ़ाएगी। वर्तमान में भारत में लगभग 26 जीवन बीमा कंपनियां कार्यरत हैं। सूत्रों के अनुसार, सहकारी बीमा कंपनी की योजना अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन इसमें मौजूदा सहकारी समितियां ही प्रारंभिक प्रवर्तक हो सकती हैं। बाद में कुछ अन्य भागीदार भी शामिल किए जा सकते हैं। इसका ढांचा बीज, जैविक खेती और निर्यात को बढ़ावा देने वाली तीन नवगठित बहु-राज्य सहकारी समितियों के समान होगा, जिन्हें अमूल और एनडीडीबी जैसी बड़ी सहकारी संस्थाओं ने मिलकर बनाया है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत के फाइनैंशियल सर्विसेज रिस्क लीडर विवेक अय्यर ने इस पहल को सहकारिता मंत्रालय के वित्तीय समावेशन के व्यापक उद्देश्य से जोड़ते हुए इसे जीवन बीमा तक सहकारी दृष्टिकोण का विस्तार बताया।

ईपीएफओ अपग्रेड पूरा, लेकिन पासबुक-दावों में देरी; नए यूएएन नियम लागू

खाताधारक पासबुक-दावे को लेकर परेशान, उमंग ऐप से ही बनेगा नया यूएएन

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करीब 10 दिनों तक चले डेटाबेस इंटीग्रेशन और सॉफ्टवेयर अपग्रेड की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हालांकि, अपडेट के बाद भी लाखों सदस्यों को पासबुक देखने, लॉगिन करने और कुछ ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करने में अभी भी समस्या आ रही है। संगठन ने स्वीकार किया है कि सभी सेवाओं को पूरी तरह सामान्य होने में लगभग एक से डेढ़ सप्ताह का समय लग सकता है, जबकि दावों के निपटारे में अतिरिक्त सत्यापन प्रक्रियाओं के चलते लगभग दो सप्ताह तक सामान्य से अधिक समय लग सकता है। ईपीएफओ ने सदस्यों से सहयोग की अपील की है और व्यस्त समय में बार-बार अनुरोध भेजने से बचने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है कि सेवाएं सामान्य होने के बाद ईपीएफओ यूपीआई के जरिए पीएफ खाते से निकासी की सुविधा शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही यूएएन से जुड़े नियमों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब नया यूएएन जनरेट या एक्टिवेट केवल उमंग ऐप के माध्यम से ही किया जा सकेगा, जिसके लिए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य होगा। ईपीएफओ का कहना है कि यह कदम सुरक्षा को मजबूत करेगा और फर्जी गतिविधियों को रोकने में मदद करेगा। सदस्य अब वेबसाइट से यूएएन जनरेट नहीं कर पाएंगे।

माइक्रोसॉफ्ट में बड़ी छंटनी, 4800 कर्मचारी होंगे बाहर

लाभ मार्जिन में कमी और पुनर्गठन के तहत लिया फैसला

मुंबई ।

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने वैश्विक स्तर पर करीब 4,800 कर्मचारियों की छंटनी घोषणा की है, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 2.1 प्रतिशत है। इस फैसले से कंपनी का वीडियो गेम कारोबार एक्सबॉक्स सबसे ज्यादा प्रभावित होगा, जहां लाभप्रदता में कमी और बढ़ते परिचालन दबाव को मुख्य कारण बताया गया है। कंपनी ने कहा कि एक्सबॉक्स इकाई में करीब 1,600 कर्मचारियों को पहले ही नौकरी से निकाला जा चुका है, जबकि चालू वित्त वर्ष में 1,600 और पदों को समाप्त किया जाएगा। एक्सबॉक्स की एक अधिकारी ने एक आंतरिक संदेश में बताया कि कारोबार की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है और इसके लाभ मार्जिन प्रतिस्पर्धी कंपनियों (जैसे सोनी प्लेस्टेशन और निनटेंडो स्विच) की तुलना में काफी कम हैं। उन्होंने गेमिंग कंसोल के पुर्जों की बढ़ती लागत को भी गेमिंग उद्योग पर दबाव का प्रमुख कारण बताया। कंपनी अब तक अधिग्रहीत चार वीडियो गेम डेवलपमेंट स्टूडियो को भी अलग कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट की अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह छंटनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए की जा रही है और इन नौकरियों की जगह कृत्रिम मेधा (एआई) नहीं ले रही है। कुल 4,800 कर्मचारियों को कारोबार पुनर्गठन और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से हटाया जा रहा है।

कोचिन शिपयार्ड ओएफएस- सरकार बेचेगी 5 फीसदी तक हिस्सेदारी

सरकार ने 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया

नई दिल्ली ।

सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निवेश करने की योजना बना रहे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है। भारत सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) की घोषणा की है, जिसके तहत निवेशकों को बाजार भाव से लगभग 7 फीसदी कम कीमत पर शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। यह बिक्री 7 और 8 जुलाई को दो चरणों में होगी। सरकार ने इस इश्यू के लिए 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया है, जबकि सोमवार को कंपनी का शेयर 1,504.75 रुपये पर बंद हुआ था। इस तरह निवेशकों को बाजार भाव से करीब 7 प्रतिशत के आकर्षक डिस्काउंट पर शेयर मिलेंगे। शुरुआती चरण में सरकार अपनी 2.52 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिसमें लगभग 33 लाख शेयर शामिल हैं। यदि निवेशकों की तरफ से अच्छी मांग रहती है, तो सरकार इतनी ही अतिरिक्त हिस्सेदारी यानी 2.52 फीसदी और बेच सकती है, जिससे कुल बिक्री 5.04 फीसदी तक पहुंच सकती है। संस्थागत और बड़े निवेशक 7 जुलाई को बोली लगा सकेंगे।

रुपये में मजबूती, डॉलर के मुकाबले 15 पैसे सुधरा

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने के मद्देनजर सऊदी अरब के अगस्त के लिए एशिया को कच्चे तेल के आधिकारिक बिक्री मूल्य में कटौती किए जाने की खबरों से बाजार धारणा बेहतर हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.33 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.86 पर रहा।

सेबी ने खुले बाजार से शेयर बायबैक की व्यवस्था फिर से की शुरू

1 अगस्त से प्रभावी नियम; 66 कार्य दिवस में बायबैक पूरा, पूंजीगत लाभ पर लगेगा कर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनियों को शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में अपने शेयर की पुनर्खरीद (बायबैक) करने की अनुमति को बहाल कर दिया है। यह व्यवस्था 1 अगस्त से प्रभावी होगी, जिसका उद्देश्य कंपनियों के लिए पूंजी आवंटन को सुगम बनाना और शेयरधारकों को अतिरिक्त नकदी लौटाने का एक प्रभावी माध्यम उपलब्ध कराना है। सेबी ने 2025 में असमान व्यवहार और कर संबंधी चिंताओं के कारण इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया था।

अब इसे सुगमता और क्रियान्वयन दक्षता बढ़ाने के लिए फिर से लाया गया है। नई अधिसूचना के तहत, कंपनियां 1 अगस्त से नियमित कारोबार व्यवस्था के माध्यम से बायबैक कर सकेंगी; अलग पुनर्खरीद खिड़की की आवश्यकता नहीं होगी। प्रक्रिया अधिकतम 66 कार्य दिवस में पूरी करनी होगी। यह कदम कंपनियों को अतिरिक्त नकदी लौटाने और बाजार में कमजोरी में शेयर कीमतों को सहारा देने में मदद करेगा। बायबैक कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त भंडार के 15 फीसदी से कम होगा। मर्चेंट बैंकर की नियुक्ति अब वैकल्पिक है, जिससे लागत कम होगी। कर ढांचे में बदलाव करते हुए, सार्वजनिक शेयरधारकों पर उनके वास्तविक पूंजीगत लाभ के आधार पर कर लगेगा, जिससे पहले की कर संबंधी असमानता समाप्त होगी। प्रवर्तकों के शेयर पुनर्खरीद अवधि के दौरान स्थिर रहेंगे, और कंपनियों को न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) नियमों का उल्लंघन नहीं करना होगा।

आयकर रिटर्न में टैक्स क्रेडिट मिसमैच पड़ सकता है भारी

– फॉर्म 26एएस का सावधानी से करें मिलान

नई दिल्ली ।

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए टैक्स क्रेडिट का सही मिलान करना बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी आयकर विभाग के नोटिस, रिफंड में देरी या अतिरिक्त कर मांग का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परेशानियों से बचने के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले फॉर्म 26एएस और अन्य कर विवरणों का सावधानीपूर्वक मिलान करना बेहद जरूरी है। यदि आपके द्वारा आईटीआर में दर्ज टैक्स भुगतान और आयकर विभाग के रिकॉर्ड में उपलब्ध जानकारी के बीच अंतर पाया जाता है, तो इसे टैक्स क्रेडिट मिसमैच कहा जाता है। इस स्थिति में, विभाग केवल उन्हीं टैक्स क्रेडिट को मान्यता देता है जो उसके आधिकारिक रिकॉर्ड और फॉर्म 26एएस में उपलब्ध होते हैं। यह अंतर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस), एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स या नियमित कर भुगतान से जुड़ा हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, टैक्स क्रेडिट मिसमैच के कई कारण हो सकते हैं। इनमें नियोक्ता या कर काटने वाली संस्था द्वारा गलत टीडीएस विवरण जमा करना, एडवांस या सेल्फ असेसमेंट टैक्स जमा करते समय चालान की जानकारी में त्रुटि, गलत पैन नंबर दर्ज होना, आईटीआर में कर विवरण गलत भरना, या टीडीएस रिटर्न दाखिल करने में देरी शामिल है। फॉर्म 26एएस करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें संबंधित वित्तीय वर्ष के दौरान काटे गए टीडीएस, टीसीएस, एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स, कर रिफंड और अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जानकारी दर्ज रहती है। इसलिए, आईटीआर दाखिल करने से पहले इस दस्तावेज का अपनी जानकारियों से मिलान करना अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी करदाता को अपने रिटर्न में टैक्स

क्रेडिट संबंधी संदेह हो, तो वह आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध टैक्स क्रेडिट मिसमैच सेवा का उपयोग कर सकता है। पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद सर्विसेज अनुभाग में जाकर संबंधित असेसमेंट वर्ष का चयन कर अपनी त्रुटियों की जांच की जा सकती है। यदि गड़बड़ी टीडीएस से संबंधित हो, तो अपने नियोक्ता या संबंधित संस्था से संशोधित टीडीएस रिटर्न दाखिल करने का अनुरोध करें। यदि आईटीआर अभी तक प्रोसेस नहीं हुआ है, तो संशोधित रिटर्न दाखिल किया जा सकता है। वहीं, यदि धारा 143(1) के तहत सूचना जारी हो चुकी है, तो ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से सुधार का अनुरोध किया जा सकता है। समय रहते इन त्रुटियों को ठीक करने से नोटिस, रिफंड में देरी और अतिरिक्त कर देनदारी जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

अब हर कोई पहचान सकेगा असली 100 का नोट

धोखाधड़ी से बचने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी की गाइडलाइन

मुंबई ।

बाजार में खरीदारी के दौरान नकली नोटों का मिलना एक आम समस्या है, जो आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। इस धोखाधड़ी से बचने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 100 रुपये के असली नोट की पहचान करने के लिए सात महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स बताए हैं। इन संकेतों को जानकर कोई भी व्यक्ति आसानी से नोट की प्रामाणिकता जांच सकता है और धोखाधड़ी से बच सकता है।

असली 100 रुपये के नोट की पहचान के 7 प्रमुख संकेत-

1. रोशनी में 100 दिखेगा- नोट को रोशनी के सामने रखने पर सी-थ्रू रजिस्टर में साफ तौर पर '100' का अंक दिखाई देता है।

2. देवनागरी में मूल्य- असली नोट पर अंग्रेजी के साथ-साथ देवनागरी लिपि में भी '100' अंकित होता है।

3. अशोक स्तंभ- नोट पर अशोक स्तंभ का राष्ट्रीय प्रतीक स्पष्ट और बारीक प्रिंटिंग के साथ बना होता है।

4. गवर्नर के हस्ताक्षर व आरबीआई प्रतीक- आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर, गारंटी संबंधी वचन और भारतीय रिजर्व बैंक का आधिकारिक प्रतीक स्पष्ट रूप से छपा होता है।

5. नीचे दाईं ओर सीरियल नंबर- नोट के निचले दाईं ओर सीरियल नंबर स्पष्ट, समान दूरी और सही फॉन्ट में छपा होता है।

6. ऊपर बाईं ओर भी नंबर- ऊपरी बाईं हिस्से में भी सीरियल नंबर मौजूद रहता है, जिसकी गुणवत्ता नीचे वाले नंबर जैसी ही होती है।

7. महात्मा गांधी का चित्र- नोट के सामने वाले हिस्से के बीच में महात्मा गांधी का साफ और उच्च गुणवत्ता वाला चित्र होता है।

इन फीचर्स को ध्यान में रखकर आप नकली नोटों की पहचान कर सकते हैं और आर्थिक नुकसान से बच सकते हैं।

बॉन्ड में विदेशी निवेशकों का बढ़ा भरोसा

शेयर बाजार से निकाल रहे हैं विदेशी निवेशक पैसा

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुख भारतीय बाजार में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है। एक ओर विदेशी निवेशकों ने जून के दौरान भारतीय सरकारी बॉन्ड में रिकॉर्ड 41,773 करोड़ रुपये का निवेश किया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने शेयर बाजार से 49,340 करोड़ रुपये की निकासी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के कारण विदेशी निवेशक फिलहाल सतर्क रणनीति अपना रहे हैं।विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय सरकारी बॉन्ड का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। सरकार द्वारा पूंजीगत लाभ और ब्याज आय पर कर संबंधी राहत, निवेश नियमों में ढील तथा भारतीय सरकारी बॉन्ड के प्रमुख वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल होने से विदेशी निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। इससे आने वाले समय में वैश्विक पैसिव फंडों से भी भारत में बड़े निवेश की संभावना जताई जा रही है।हालांकि, शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके बावजूद विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद और बॉन्ड बाजार में बढ़ती भागीदारी देश के वित्तीय बाजारों के लिए सकारात्मक संकेत है।

अमारा पार्टनर्स ने करमतारा में किया 75 करोड़ का प्री-आईपीओ निवेश

नई दिल्ली ।

निजी इक्विटी कंपनी अमारा पार्टनर्स ने बिजली पारेषण क्षेत्र की करमतारा इंजीनियरिंग में उसके प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले लगभग 75 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने मंगलवार को इस निवेश की जानकारी दी। यह निवेश करमतारा इंजीनियरिंग के आईपीओ के लिए मार्ग प्रशस्त करने और उसकी विकास योजनाओं को गति देने में मदद करेगा। करमतारा इंजीनियरिंग घरेलू और विदेशी बाजारों के लिए पारेषण लाइन टावर, सौर ढांचे, पवन ऊर्जा ढांचों, संरचनात्मक इस्पात प्रोफाइल और फास्टनर सहित विभिन्न इंजीनियरिंग इस्पात उत्पादों का विनिर्माण करती है। कंपनी ने बताया कि छह जुलाई को अमारा पार्टनर्स ग्रोथ फंड-1 को 310 रुपये प्रति शेयर के

निर्गम मूल्य पर 24,19,355 अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय तरजीही शेयर (सीसीपीएस) आवंटित किए गए हैं, जिससे 75 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। इस आईपीओ-पूर्व निवेश के बाद, सेबी के नियमों के अनुरूप प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी करने का आकार समान राशि से घटा दिया जाएगा।

सिटीमॉल की नई रणनीति कीमत से जीतेगी ई-कॉमर्स की अगली जंग

गुरुग्राम की स्टार्टअप छोटे शहरों के निम्न-मध्यम वर्ग पर केंद्रित

नई दिल्ली ।

गुरुग्राम की किराना क्षेत्र की स्टार्टअप सिटीमॉल इस बात पर दांव लगा रही है कि भारत में ई-कॉमर्स की अगली लहर कीमत से जीती जाएगी, न कि गति से। यह ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी त्वरित-कॉमर्स रणनीतियों को सीधी चुनौती है। कंपनी ने छोटे शहरों में निम्न-मध्य वर्ग के परिवारों के लिए कम लागत वाला, समुदाय-संचालित डिलिवरी नेटवर्क बनाया है, जिसे सीईओ अंगद किकला अगले 20 करोड़ परिवार कहते हैं। किकला का तर्क है कि बड़े ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं ने इन परिवारों को अनदेखा किया है। उनकी रणनीति तेज डिलिवरी के बजाय कीमत को प्राथमिकता देने वाले खरीदारों को जोड़ना है, जो 2030 तक भारत के ई-कॉमर्स बाजार को 60 अरब डॉलर से 250-300 अरब डॉलर तक ले जा सकता है। 2019 में अंगद किकला, नयशील वर्धन और राहुल गिल द्वारा स्थापित सिटीमॉल ने ऐक्सेल जैसे निवेशकों से 16.5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए हैं। कंपनी अब 60 से ज्यादा शहरों (यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, एनसीआर) में किराना, एफएमसीजी और घरेलू सामान बेचती है। मौजूदा वित्त वर्ष में 1,000 करोड़ रुपये की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुकी सिटीमॉल अगले वित्त वर्ष में 1,600 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य लेकर चल रही है। किकला को उम्मीद है कि अगले कई सालों तक सालाना 50 से 60 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि बनी रहेगी, क्योंकि वे सबसे बड़े ग्राहक वर्ग, यानी निम्न-मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

भारत का ऑफिस बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर, दूसरी तिमाही में 2.46 करोड़ वर्गफुट की लीजिंग

भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद दूसरी तिमाही में 18 फीसदी की वृद्धि

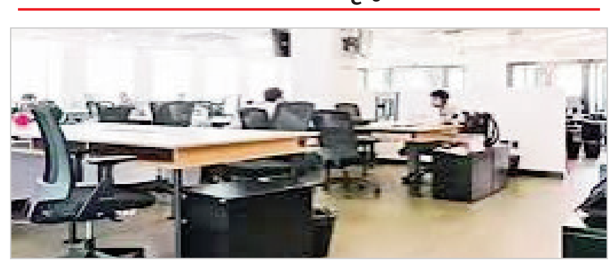

मुंबई ।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही भारतीय ऑफिस बाजार के लिए ऐतिहासिक रही, जिसने अब तक का सबसे जोरदार प्रदर्शन दर्ज किया। एक रियल एस्टेट सेवा कंपनी के अनुसार, इस अवधि में कुल लीजिंग लगभग 2.46 करोड़ वर्ग फुट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, तिमाही के दौरान लीजिंग में पिछली तिमाही के मुकाबले 18 प्रतिशत और पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आपूर्ति भी 91 प्रतिशत बढ़कर तेजी से बढ़ी। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने मांग में 42 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 1.03 करोड़ वर्ग फुट की रिकॉर्ड लीजिंग दर्ज की, जबकि फ्लेक्सिबल स्पेस परिचालकों की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत रही।

सीबीआरई के एक अधिकारी के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का परिदृश्य अच्छा है। हालांकि, रेडी-टू-मूव जगह की कमी बड़ी चुनौती है, जिससे निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए प्री-कमिटमेंट बढ़ रहे हैं। साल 2026 की पहली छमाही में कुल 4.55 करोड़ वर्ग फुट की रिकॉर्ड लीजिंग हुई, जो किसी भी छमाही में सर्वाधिक है। इस दौरान आपूर्ति भी 3.2 करोड़ वर्ग फुट रही। फ्लेक्स, प्रौद्योगिकी और बैंकिंग, वित्तीय सेवा व बीमा (बीएफएसआई) कंपनियों ने मिलकर दूसरी तिमाही की लीजिंग में लगभग 62 प्रतिशत हिस्सेदारी निभाई। पहली छमाही में जीसीसी की कुल मांग में हिस्सेदारी 43 प्रतिशत रही।

भारत के दो एयरपोर्ट बने दुनिया के सबसे खूबसूरत, ग्लोबल सूची में मिली जगह

पेरिस।

पेरिस से जारी प्रिक्स वर्साय अवार्ड्स ने साल 2026 के लिए दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट की सूची जारी की है। यह भारतीय एविएशन सेक्टर के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इस प्रतिष्ठित सूची में देश के दो एयरपोर्ट को स्थान मिला है। बीते महीने जून में घोषित किए, इन अवार्ड्स में दुनिया भर के कुल 7 एयरपोर्ट को शामिल किया है, जिन्हें उनके आधुनिक डिजाइन, स्थिरता, क्षेत्रीय पहचान और यात्रियों को प्रदान होने वाली बेहतरीन अनुभव के आधार पर चुना गया है।

1.चीन का ग्वांगझू इंटरनेशनल एयरपोर्ट

इस सूची में शीर्ष स्थान पर चीन का ग्वांगझू इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल 3 रहा। ग्वांगझू, जिसे चीन का फूलों का शहर कहा जाता है, उसके नए टर्मिनल को बादल, पानी और फूलों से प्रेरित घुमावदार आकृतियों, छतों, बगीचों और रोशनी से भरे खुले हिस्सों के साथ बनाया गया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी परिवहन इमारतों में से एक है और इसकी खास बात चीन का सबसे ऊंचा खुला सार्वजनिक अवलोकन डेक है।

2. जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल 3 अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा। इस टर्मिनल को सड़कों, प्लाजा और आस-पड़ोस के चौराहों की तरह डिजाइन किया गया है, जिसका ज्यादातर हिस्सा मॉड्यूलर है।

3. गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 2

भारत के लिए गौरव की बात यह है कि असम की राजधानी गुवाहाटी में स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 ने दुनिया के तीसरे सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट के रूप में पहचान बनाई है।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।
किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।
वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।
हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।
नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।
इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।
कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु ।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं।
स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।
कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

उप्र में जन्मे विनायक शुक्ला बने ओमान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान

मस्कट। ओमान क्रिकेट ने भारतीय मूल के विकेटकीपर–बल्लेबाज विनायक शुक्ला को पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया है। टीम के उप–कप्तान रहे शुक्ला ने जतिंदर सिंह की जगह ली है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत में हुए आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ओमान की कमान संभाली थी। ओमान क्रिकेट ने विनायक शुक्ला को कप्तान इसलिए चुना है, क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम भूमिका निभाई है। ओमान क्रिकेट ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए नए कप्तान की घोषणा करते हुए कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। ओमान क्रिकेट गर्व के साथ विनायक शुक्ला को ओमान पुरुष क्रिकेट टीम का कप्तान घोषित करता है।' पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम योगदान देने के बाद, 32 वर्षीय विनायक अब राष्ट्रीय टीम को अगले अध्याय में ले जाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

18 जून 1994 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्मे विनायक शुक्ला अपने कोच की सलाह पर बेहतर अवसरों की तलाश में साल 2021 में ओमान चले गए थे। इसके बाद उन्होंने अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए 'नेशनल मेटल कैंस' में डेटा ऑपरेटर की नौकरी की। इसके साथ ही क्रिकेट खेलना भी जारी रखा।

विनायक ने 14 दिसंबर 2024 को टी20 मैच के साथ ओमान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। इसके बाद 10 फरवरी 2025 को एशिया कप में नामीबिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया। विनायक शुक्ला ओमान के पसंदीदा विकेटकीपर बने, उन्होंने खास तौर पर टी20 क्रिकेट में मिडिल ऑर्डर से तेजी से रन बनाकर प्रभावित किया है। विनायक शुक्ला ने अपने करियर में 15 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 26 की औसत के साथ 312 रन बनाए। वहीं, 23 टी20 मुकाबलों में उनके बल्ले से 2 अर्धशतकों के साथ 447 रन निकले। विनायक 15 लिस्ट–ए मुकाबलों में 312 रन जोड़ चुके हैं।

विंबलडन

जैनिक सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, मोचिजुकी को सीधे सेटों में हराया

लंदन। दुनिया के नंबर–1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6–3, 7–6(0), 6–3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है। इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे

खिलाड़ी हैं। मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6–3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी।

टी20 सीरीज: जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान

वैभव-रिंकू को मौका

● सैमसन बाहर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान होंगे। वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वहां उन्हें मौका नहीं मिल सका। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी वह प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। आखिरकार, दूसरे मुकाबले में वैभव को मौका दिया गया, जिसके साथ 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए थे। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वैभव 14 रन ही बना सके थे। मैच फिनिशिर रिंकू सिंह ने टी20 टीम में वापसी की है। इनके अलावा, प्रिंस यादव, यश ठाकुर और अशोक शर्मा भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को स्पिन गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा रहे अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को मौका नहीं दिया गया। विकेटकीपिंग का जिम्मा ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह को सौंपा गया है। संजू सैमसन इस सीरीज से बाहर हैं।

दोनों देशों के बीच 23, 25 और 26 जुलाई को हरारे स्थित हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टी20 सीरीज के तीनों मैच खेले जाने हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को शामिल किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बदलाव

रेड्डी की जगह दुबे टीम में शामिल

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से पहले चोटिल नितीश कुमार रेड्डी की जगह सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शिवम दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दुबे इंग्लैंड में जारी पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि दुबे वनडे सीरीज के लिए भी वहीं रुकेंगे, क्योंकि रेड्डी अभी भी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं।

रेड्डी के रिहैबिलिटेशन के कारण उन्हें पहले ही आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और जिम्बाब्वे के विरुद्ध आगामी तीन मुकाबलों की सीरीज से बाहर कर दिया गया था। देवजीत सैकिया ने कहा, 'सिलेक्शन कमिटी ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को चुना है।

भारत की अपडेटेड वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप–कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, शिवम दुबे।

यूथ हॉकी : 5-एस एशियन चैंपियनशिप से पहले सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप के लिए खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने यूथ हॉकी 5-एस एशियन चैंपियनशिप 2026 की तैयारी के लिए सब-

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप में हिस्सा लेने जा रहे 15 खिलाड़ियों के नामों का ऐलान कर दिया है। यह प्रतियोगिता ओमान की राजधानी मस्कट में 20 से 25 जुलाई के बीच आयोजित होगी, जिससे पहले नेशनल कैंप 7 से 18 जुलाई तक चंडीगढ़ के सेक्टर 14 स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। देश के होनहार युवा खिलाड़ी कोच और भारत के पूर्व कप्तान सरदार सिंह की देखरेख में ट्रेनिंग करेंगे। इस ग्रुप के सभी 15 खिलाड़ी उस भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे हैं, जिसने हाल ही में संपन्न अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था।

दो सप्ताह के इस कैंप का मकसद खिलाड़ियों को हॉकी 5-एस की रणनीतिक और तकनीकी जरूरतों से परिचित कराना और साथ ही व्यवस्थित ट्रेनिंग सेशन के जरिए उनके खेल को बेहतर बनाना है।

पहला वनडे: 'लो स्कोरिंग' मैच में जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 25 रन से हराया

सीरीज में 1–0 से लीड

हरारे। जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में 25 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। सोमवार को हरारे में खेले गए मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम महज 36.4 ओवरों में 141 रन पर सिमट गई। इस टीम को 36 के स्कोर पर बेन करन (18) के रूप में पहला झटका लगा। इसी स्कोर पर ब्रायन बेनेट (17) भी चलते बने। 7 ओवरों में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवाने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि टीम ने 70 के स्कोर तक अपने 8 विकेट खो दिए थे। यहां से रिचर्ड नगारवा ने न्यूमैन न्याम्हुरी के साथ 9वें विकेट के लिए 81 गेंदों में 63 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचा

दिया। न्यूमैन न्याम्हुरी ने 5 चौकों के साथ 33 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान रिचर्ड नगारवा ने 27 रन जुटाए। इनके अलावा, इनोसेंट काइया ने 26 रन का योगदान दिया।

बांग्लादेश की तरफ से नाहिद राणा ने 10 ओवरों में 21 रन देकर 6 विकेट निकाले। इनके अलावा, तस्कीन अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। एक विकेट मेहदी हसन के हाथ लगा। इसके जवाब में बांग्लादेशी टीम 33.1 ओवरों में 116 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 17 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे। यहां से तौहीद हिरदॉय ने नुरुल हसन के साथ चौथे विकेट के लिए 88 गेंदों में 49 रन की साझेदारी करते हुए बांग्लादेश को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद टीम बिखर गई।

फीफा वर्ल्ड कप: इंग्लैंड ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है। इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए।

इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा।

● रोमांचक मुकाबले में मेक्सिको को 3-2 से हराया

हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से क्विनोन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जीसस गैलार्डो को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड थमा दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026: एकता और लड़ने का जज्बा मेक्सिको की सफलता का कारण, स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का बयान

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में सोमवार को मेक्सिको का मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ होना है। इस मैच के लिए मेक्सिको पूरी तरह तैयार है। मेक्सिको का अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम के स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का मानना ??है कि विश्व कप में उनकी टीम के जोरदार प्रदर्शन की वजह एकता और लड़ने का जज्बा है। जिमेनेज ने फीफा से बातचीत के दौरान कहा, 'हम पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर केंद्रीत एकजुट हैं। एकजुटता और एक पारिवारिक भावना हमें बड़ी चीजों के लिए प्रेरित रही है। हमें मेक्सिको में अभी एक और मैच खेलना है। हम पूरी तरह से जानते हैं कि क्या दांव पर लगा है।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। हमारी टीम सच में बहुत मजबूत है। जेवियर एगुइरे के चार्ज संभालने के बाद से हम सब एक साथ हैं। आसमान ही हमारे लिए सीमा है।'

यूथ वनडे: श्रीलंका के खिलाफ 'द्रविड़' ने जड़े 87 रन

हम्बनटोटा। भारत के महान खिलाड़ी राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने भारत अंडर-19 टीम की तरफ से खेलते हुए सोमवार को श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे मैच में 87 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 67 गेंदों की इस पारी में 1 छक्का और 9 चौके लगाए, लेकिन टीम मैच गंवा बैठी। सोमवार को महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अन्वय द्रविड़ की इस शानदार पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 285 रनों का विशाल स्कोर बनाया, लेकिन श्रीलंका ने इस मैच को 8 विकेट शेष रहते अपने नाम कर लिया। भारतीय

● विशाल स्कोर के बावजूद भारत की हार

टीम ने पहला मैच 4 विकेट से जीता था, लेकिन अब तीन मुकाबलों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई है। सीरीज का अंतिम मैच 9 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाना है। इसके बाद 13 जुलाई से दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हम्बनटोटा में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 47.2 ओवरों में 285 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम ने 11 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने वीके विनीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 गेंदों में 67 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। विनीत 45 गेंदों में 4 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अन्वय द्रविड़ बल्लेबाजी के लिए उतरे और अर्जुन राजपूत के साथ पांचवें विकेट के लिए 126 गेंदों में 144 रन जुटाए। अर्जुन 81 गेंदों में 10 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अन्वय ने 87 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। श्रीलंकाई खेमे से गिमहान मेंडिस ने 8.2 ओवरों में 41 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि कविजा गमागे ने 2 विकेट निकाले। एक विकेट सेथमिका सेनेविरात्ने के हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 48 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को 25 के स्कोर पर दुलनिथ सिगेरा (14) के रूप में शुरुआती झटका लग गया था। इसके बाद दिमंथा महाविथाना ने सेनुजा वेकुनागोडा के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी करते हुए जीत की नींव रख दी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
08 जुलाई 2026

किसी दूसरे एक्टर से कभी नहीं हुआ इनसिक्योर

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 26 साल पूरे किए हैं। उनकी पहली फिल्म 'रिफ्यूजी' 2000 में रिलीज हुई थी और इसी फिल्म से करीना कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हाल ही में एक बातचीत में अभिषेक ने अपने सफर को याद किया और बताया कि कैसे इतने साल में एक एक्टर के तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

अब कैमरे के सामने मैं कम्फर्टेबल हूं

अभिषेक ने एक एक्टर के तौर पर खुद में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बस एक ही बदलाव आया है कि अब मैं ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करता हूं। मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो थोड़ी असहजता थी। लेकिन अब कैमरे के सामने मैं ज्यादा कम्फर्टेबल रहता हूं। जब आप जैसे हैं वैसे ही रहते हैं और खुद में सहज महसूस करते हैं, तो आपको उन फैसलों के बारे में स्पष्टता मिलती है जो आपको लेने होते हैं। आज मैं बहुत स्पष्ट हूं या यूं कहूं कि पिछले पांच से सात साल से कि किसी खास समय पर मुझे क्या नहीं करना है। करियर की शुरुआत में बहुत उत्साह होता है और काम मिलेगा या नहीं, इसे लेकर असुरक्षा भी होती है। इसलिए जो भी काम मिलता है, आप उसे कर लेते हैं।

अभिषेक ने उन इनसिक्योरिटीज के बारे में भी बात की जिनका सामना अक्सर एक्टर्स को करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने साथियों की सफलता को लेकर कभी असुरक्षा महसूस क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मैं क्लियर होता हूं कि मुझे यह नहीं करना है। इसका मतलब है कि मैं निश्चित रूप से यह करना चाहता हूं। इसलिए इसमें बहुत ज्यादा पक्का इरादा होता है और यह एक तरह की परिपक्वता और शांति से आता है। मुझे लगता है कि इससे आपके काम में भी मदद मिलती है। अब हम हर जगह नहीं भटकते। मैं कभी भी इस बात को लेकर इनसिक्योर एक्टर नहीं रहा कि 'वह क्या कर रहा है'। अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्योर, हां। मुझे लगता है कि सभी एक्टर इस बात को लेकर इनसिक्योर होते हैं कि 'क्या मैं यह कर पाऊंगा?'

इन दिनों अभिषेक शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मच अवेटेड फिल्म में अभिषेक विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख और अभिषेक के अलावा सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, अक्षय ओबेरॉय और रानी मुखर्जी सरीखे कई नाम शामिल हैं।

आकांक्षा रंजन का अनप्रिडिक्टेबल खेल जारी 'इक्का' में करेंगी सरप्राइज

आकांक्षा रंजन अब साफ़ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से ज़रा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है। हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर — डॉ. गर्गी — का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज़-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नज़र आएंगी — जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है।

'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज़्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा ज़रूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे ज़्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के ज़रिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के ज़रिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था। मेकर्स की सोच और जिस तरह से स्क्रिप्ट मुझे सुनाई गई, उसने मुझे और भी खींच लिया। उनके विज़न में एकदम क्लैरिटी थी, और वही चीज़ मेरे साथ रह गई।' पिछले कुछ सालों में आकांक्षा ने जानबूझकर अलग-अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स चुने हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से उन्होंने गहरी छाप छोड़ी, और फिर 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉ. गर्गी बनकर अपना एक अलग ही सॉफ्ट और इमोशनल साइड दिखाया। अब 'इक्का' के साथ वो फिर एक नए स्पेस में कदम रख रही हैं — इस बार कहानी ज़्यादा डार्क और लेयर्ड है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो, इस समय 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में अपने परफॉर्मेंस के लिए सराहना बटोर रहीं आकांक्षा जल्द ही 'इक्का' में नज़र आएंगी, जिसके बाद उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं — जिनका खुलासा अभी बाकी है।

मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।

'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'

अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं। अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को रिलीज होगी

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आगामी फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। केवीएन प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया। प्रोडक्शन हाउस द्वारा शेयर किए गए पोस्टर पर लिखा था, '11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में। 60 ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन लेकर आ रहे हैं 'हैवान'।' 'हैवान' एक दमदार थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। फिल्म में श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी।

केवीएन प्रोडक्शन और थेस्पियन फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म 'हैवान' को वेंकट के. नारायण और शैलजा देसाई फेन ने प्रोड्यूस किया है। इस बीच, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' के लिए फिर से साथ काम किया है। इस फिल्म में परेश रावल, जिशु सेनगुप्ता, राजपाल यादव, तब्बू, वामिका गब्बी और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 2007 में रिलीज हुई 'भूल भुलैया' के बाद प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी और मनोज जोशी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म 2026 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन चुकी है।

अक्षय कुमार की हालिया फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म में एक बड़ी स्टार कास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन, दिशा पटानी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, तुषार कपूर और सयाजी शिंदे जैसे नाम शामिल हैं।

अगली फिल्म के लिए कई लुक अपनाएंगे सलमान

सलमान खान अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। फिल्म में सलमान खान एक बार फिर एक्शन अवतार में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का फैंस को काफी इंतजार है। एक पॉडकास्ट के दौरान फिल्म के निर्माता दिल राजू ने फिल्म को लेकर काफी कुछ बताया। हाल ही में दिल राजू एक पॉडकास्ट पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे वामसी पेडिपल्ली के डायरेक्शन में बन रही फिल्म पर बहुत भरोसा है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा।' इसके अलावा दिल राजू ने बताय कि यह सलमान खान की अब तक की सबसे बड़ी एंटरटेनिंग फिल्म होगी। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और काफी कुछ होगा। पॉडकास्ट के दौरान दिल राजू ने यह भी बताया कि इस फिल्म में सलमान कई अलग-अलग लुक में नजर आएंगे। वहीं फिल्म के शूटिंग शेड्यूल की जानकारी देते हुए निर्माता दिल राजू ने कहा, 'यह फिल्म अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। हमें इसके ब्लॉकबस्टर होने की पूरी उम्मीद है। सलमान भी इसकी शूटिंग के मजे ले रहे हैं। फिल्म में भरपूर हीरोइज्म और 'वाउ फैक्टर' होगा।

ईद पर रिलीज हो सकती है फिल्म

फिल्म श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स बैनर तले बन रही है। वहीं फिल्म का निर्देशन वामसी पेडिपल्ली ने किया है। कुछ दिनों पहले ही सलमान और नयनतारा को मेकर्स के साथ मुहूर्त सेरेमनी में देखा गया था। इन दिनों वो इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी मेकर्स ने नहीं दी। अब दिल राजू की मानें तो इसकी शूटिंग अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। अब मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 तक रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं।

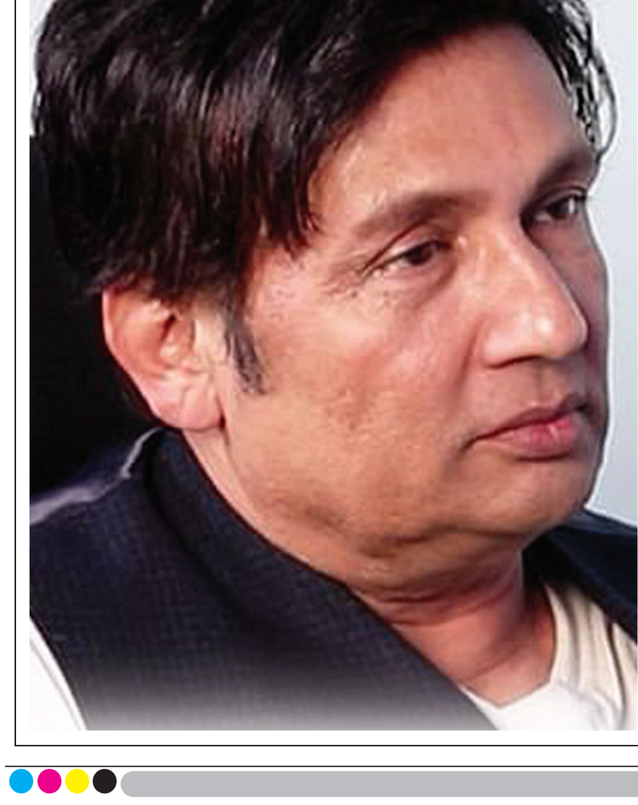

हिंदुस्तान में हास्य छिछोरा हो चुका है

शेखर सुमन इस वक्त अपने शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो गर्दा उड़ा रहा है और काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें वह राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलते हैं। शेखर ने इंटरव्यू में निडरता, सरकार से सवाल पूछने, आज की कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

आज जब सिस्टम या सरकार के खिलाफ बोलना आसान नहीं रहा, क्या शेखर को डर नहीं लगता? इस पर वह कहते हैं, 'हां, आज लोगों में बहुत डर हो गया है, पर आपको डरना क्यों चाहिए? आप कोई गुनाह थोड़ी कर रहे है? किसी को गाली थोड़ी दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि आपकी भाषा सभ्य होनी चाहिए। आप प्रधानमंत्री से चाहे जितने तीखे सवाल करें, मगर उनके पद की गरिमा बहुत जरूरी है। हम जब मोदी जी के बारे में बोलते हैं तो उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखते हैं, पर जहां वो गलत हैं, वहा उंगली भी दिखाएंगे क्योंकि हमने उन्हें चुना है। अब जो शीर्ष पर है, उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। हमें लोंगों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।'

टीवी चैनल्स में ऐसा शो करने का दम नहीं

इस शो को लाने की चुनौतियों और 'मूवर्स ऐंड शेखर्स' के 14 साल के लंबे अंतराल के सवाल पर वह बताते हैं, 'हर चीज का एक वक्त होता है। जब समय आता है तो चीजें अपने आप हो जाती हैं। मैं बहुत चीजों में व्यस्त था। मैंने एक फिल्म अकेडमी खोली है। मेरे नाटक 'साहिर अमृता' के 125 शो किए। मेरी इस साल 4 फिल्में/सीरीज आ रही हैं। उनकी शूटिंग थीं तो यह शो आगे-पीछे हो रहा था, पर हमारे सुपुत्र अध्ययन ने कहा लोगों का बहुत प्रेशर है और अब इसे करना ही है। तब मैंने कहा कि पहले तो इसकी परिभाषा बदली जाए कि यह कॉमेडी शो नहीं है।'

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' यह शो से परे है

'मेरे लिए यह एक तरह से इंकलाब है। यह एक लम्हा है जो मैं अपनी ऑडियंस के साथ गुजारता हूं। उनके साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक बातें करता हूं। मेरे लिए यह शो से परे है। चुनौती ये थी कि इसे लाया किस प्लेटफॉर्म पर जाए क्योंकि किसी चैनल में इतना दम नहीं है कि ऐसा शो कर सके। वहां सब कायर बैठे हैं। उनका ज्ञान जीरो है। ओटीटी में भी अब वही चलन आ रहा है कि यह मत कहिए, वो मत कहिए तो मैं ऐसे बेवकूफों के आधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए हमने यूट्यूब को चुना, जहां पूरी आज़ादी के साथ बोल सकें।'

वहीं, मौजूदा टीवी और स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर उनका कहना है, 'मैंने खुद को और अपने शो को हास्य से बहुत दूर रखा है। मैं पहले जब कॉमेडी शो जज भी करता था तो लोग कहते थे कि आप हंसते क्यों नहीं? मैंने कहा कि आप बेवकूफी कर रहे हैं तो मुझे हंसी नहीं आ रही है। मैं हास्य से बहुत दूर हूं क्योंकि हिंदुस्तान में हास्य बहुत ही छिछोरा हो चुका है। वह अब बस लड़का लड़की बनकर, एक्टरों की नकल करके होता है। हास्य की गरिमा ही खत्म हो गई।

अध्ययन अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा

शेखर के शो के क्रिएटर और डायरेक्टर उनके बेटे अध्ययन सुमन हैं, जिनके लिए कभी शेखर ने फिल्म 'हार्टलेस' डायरेक्ट और प्रड्यूस की थी। बकौल शेखर, 'एक पिता के तौर पर यह बहुत गर्व और खुशी की बात है। मेरे लिए यह बहुत ही खूबसूरत साझेदारी है। जिस तरह उसने मुझे शो के प्रोमो में पेश किया वो बहुत ही क्लासी था।'

अध्ययन 19 की उम्र में मैच्योर नहीं था

'वह 19 साल की उम्र में बहुत बड़ा सितारा बन जाता तो शायद भटक जाता। तब उनमें वह मैच्योरिटी नहीं थी लेकिन तकलीफ, निराशा, असफलता आपकी जिंदगी को और पुख्ता बनाता है, तो अब वो जो इंसान बना है, उसकी समझ इतनी खूबसूरत हो गई कि वो जो काम करता है, वो बहुत कमाल करता है। यहां से वो पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। उसे रोकने के लिए दुनिया में प्रलय होना जरूरी है, तो हम सबके लिए यह बड़ी खुशी की बात है। पहले मैं कभी फिक्रमंद होता था कि वह नहीं कर पा रहा। मैंने फिल्म भी बनाई तो मेरी पत्नी ने अभी बड़े प्यार से मेरा गाल सहलाया और कहा कि देखो, मेरे बेटे ने तुम्हारा सारा कर्ज उतार दिया।'

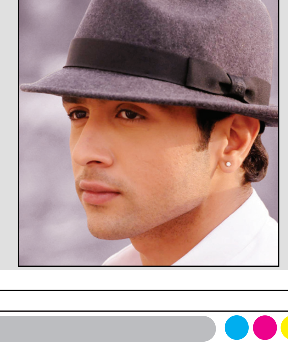

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार) 08 जुलाई 2026

ईंधन खजाने पर बैठे रूस में तेल-गैस की किल्लत ! 18-18 घंटे लगानी पड़ रही लाइन

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन पिछले पांच साल से एक-दूसरे से जंग लड़ रहे हैं। इसी बीच इस युद्ध से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस बड़ी संख्या में तेल खरीद रहा है। ऐसे में लोग ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश आज खुद तेल आयात क्यों कर रहा है? रिपोर्ट के मुताबिक, रूस इस समय तेल की कमी से जूझ रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि कई इलाकों में लोगों को सीमित मात्रा में ही ईंधन मिल रहा है। ऐसे में सवाल आता है कि जो रूस कल तक पूरी दुनिया को तेल बेचता था उसके साथ ऐसा क्या हो गया कि वो आज तेल खरीदने को मजबूर हो गया है? इसमें अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका है?

यूक्रेन ने तबाह की रिफाइनरी : रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस में उत्पन्न हुई ईंधन संकट के पीछे सबसे बड़ा हाथ यूक्रेन की ओर से लगातार हो रहे ड्रोन हमलों का है। जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन मार्च 2026 से अब तक लगातार ड्रोन हमलों के जरिए रूस की तेल रिफाइनरियों और तेल भंडारण केंद्रों को निशाना बना रहा है। यूक्रेन हमलों में रूस की आधी से ज्यादा रिफाइनरियां या तो बंद हो गई हैं या फिर उनके उत्पादन क्षमता में गिरावट आई है। इससे रूस को आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस की 10 सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से 8 पर हमले हो चुके हैं। हाल ही में 4 जुलाई को यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित एक बड़ी रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.25 करोड़टन पेट्रोलियम उत्पाद तैयार करती है। लगातार हमलों की वजह से रूस की कुल तेल रिफाइनिंग क्षमता में लगभग 42.7 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका : रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस की इस स्थिति में अमेरिका-ईरान युद्ध की भी भूमिका है। दरअसल अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध के दौरान ईरान ने सिर्फ इनके सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि मिडिल ईस्ट के देशों में मौजूद तेल रिफाइनरियों पर भी हमले किए। इसके परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया में तेल संकट पैदा हो गया। इसके अलावा मिडिल ईस्ट के देशों की आय का बड़ा हिस्सा तेल बेचने से ही आता है, जो अमेरिका के सहयोगी भी हैं। ऐसे में इन देशों ने न केवल अमेरिका पर युद्ध रोकने का दबाव बनाया। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ समजौता करने पर लगभग मजबूर कर दिया।

यूक्रेन भी ईरान की इसी रणनीति को अब रूस के खिलाफ अपना रहा है। क्योंकि यूक्रेन को पता है कि आमने-सामने की लड़ाई में रूस को हरा पाना नामुमकिन है। साथ ही रूस को तब तक समझौता करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जब तक वो आर्थिक रूप से मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन ईरान की तरह रूस के तेल रिफाइनरियों पर हमला कर रहा है। ताकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सके। कई लोगों के मन में सवाल है कि रूस जैसी सैन्य महाशक्ति यूक्रेन के ड्रोन हमलों को रोकने में सफल क्यों नहीं हो रही है। इसके पीछे कई कारण हैं।

यूक्रेन के सस्ते और आधुनिक ड्रोनः यूक्रेन के कई ड्रोन अपेक्षाकृत कम लागत वाले हैं और जमीन से बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। इसी वजह से रूस की महंगी एयर डिफेंस प्रणाली, जैसे स-400, उन्हें समय पर पहचान नहीं पाती। रूस का विशाल भूभाग हैः दुनिया का सबसे बड़ा देश होने के कारण उसकी हर रिफाइनरी, तेल डिपो और ऊर्जा केंद्र की सुरक्षा करना आसान नहीं है। हर जगह एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करना संभव नहीं हो पाता।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंधः इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को कई जरूरी विदेशी मशीनें और उपकरण नहीं मिल पा रहे हैं, जिनकी जरूरत रिफाइनरियों की मरम्मत के लिए होती है। इसलिए क्षतिग्रस्त संयंत्रों को जल्दी ठीक करना मुश्किल हो रहा है।रिफाइनरियों को नुकसान पहुंचने का असर अब रूस की जनता पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

देश के 83 में से 55 से ज्यादा क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर सीमाएं लगा दी गई हैं। कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। कुछ इलाकों में लोगों को सिर्फ 20 से 30 लीटर तक ही पेट्रोल खरीदने की अनुमति है। वहीं साइबेरिया जैसे क्षेत्रों में अधिकतम 40 लीटर पेट्रोल ही दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय सहयोग के विषयों पर चर्चा की

दोहा, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी से मुलाकात की और ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क और सुरक्षा समेत आपसी सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की. जयशंकर पांच से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के दौरे पर हैं. खाड़ी देशों का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच टकराव खत्म करने के समझौते के बाद पश्चिम एशिया में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं. जयशंकर ने कतर में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कतर के प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया. जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं, खासकर ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क, सुरक्षा और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों की समीक्षा की. साथ ही, अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए अवसरों पर भी चर्चा की. ' जयशंकर ने प्रधानमंत्री अल-थानी के साथ पश्चिम एशिया के संघर्ष और उसके असर के बारे में भी चर्चा की; अल-थानी कतर के विदेश मंत्री भी हैं. अपनी मौजूदा यात्रा के दौरान, जयशंकर खाड़ी क्षेत्र के चार देशों के अपने समकक्षों और शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे. इस दौरान वे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे. हफ़्तों तक बढ़ते तनाव के बाद ईरान में युद्धविराम कराने के लिए पाकिस्तान के साथ-साथ कतर और ओमान भी मध्यस्थ के तौर पर सामने आए. शुक्रवार से शुरू हुए ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के हफ़्ते भर चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम के बाद, दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी रहेगी. खाड़ी के चार देशों का दौरा करने के बाद, जयशंकर 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे. इसके बाद, वे 14-15 जुलाई को ब्रसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में शामिल होंगे और ईयू तथा बेल्जियम के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ लंदन में फूटा कश्मीरियों का गुस्सा

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कें सोमवार को पाकिस्तान विरोधी नारों से गूंज उठीं। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले हजारों कश्मीरियों ने 'लंदन कश्मीर मिलियन मार्च' के जरिए पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन और दमनकारी नीतियों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह विशाल मार्च पार्लियामेंट स्क्वायर से शुरू होकर लंदन स्थित पाकिस्तानी हाई कमीशन तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने न केवल आजादी के समर्थन में नारे लगाए, बल्कि क्षेत्र में जारी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और स्थानीय जनता पर हो रहे सैन्य अत्याचारों को लेकर पाकिस्तानी हुकूमत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की। जम्मू-कश्मीर नेशनल इंडिपेंडेंस अलायंस के चेयरमैन महमूद कश्मीरी ने इस मार्च का नेतृत्व करते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। पाकिस्तानी हाई कमीशन के बाहर जमा हजारों लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में कश्मीरी पाकिस्तानी फोर्सेज के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। हम जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ अपना आंदोलन तब तक जारी रखेंगे जब तक हक नहीं मिल जाता। हम किसी भी स्थिति में पाकिस्तान की हुकूमत के सामने घुटने नहीं टेकेंगे। प्रदर्शनकारियों ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रमुख शौकत नवाज मीर और अन्य कश्मीरी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद पर आरोप लग रहे हैं कि वह पीओजेके में सरकार विरोधी जनआंदोलन को दबाने के लिए लगातार अमानवीय और सख्त कदम उठा रहा है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने इन गिरफ्तारियों को कश्मीरियों की लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने की कोशिश करार दिया। लंदन में हुए इस 'मिलियन मार्च' ने यह साफ कर दिया है कि पीओजेके का मुद्दा अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

पाकिस्तान-तुर्किये की दोस्तीः व्यापार के साथ रक्षा संबंध बढ़ाने पर फोकस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के प्रति अपने देश के अटूट समर्थन को एक बार फिर दोहराया है। उन्होंने साफ कहा कि अंकारा की सफलता और इस्लामाबाद की प्रगति एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए हैं। शनिवार को इस्तांबुल में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन को द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने का भरोसा दिलाया। वहीं, राष्ट्रपति एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आर्थिक संबंधों की आधारशिला बताया। शहबाज शरीफ ने कहा, 'तुर्किये की सफलता ही पाकिस्तान की सफलता है और पाकिस्तान की तरक्की ही तुर्किये की तरक्की है।'

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, 'रक्षा उद्योग में हमारा सहयोग, जो हमारे आर्थिक संबंधों के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, नए प्रोजेक्ट्स के साथ दिन-ब-दिन विकसित हो रहा है।' इसके साथ ही उन्होंने तुर्किये के निवेशकों को पाकिस्तान में अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। एर्दोगन ने यह भी स्पष्ट किया कि वे ऊर्जा, परिवहन, महत्वपूर्ण खनिजों और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं। इस्लामाबाद और अंकारा ने अपने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 अरब डॉलर करने की प्रतिबद्धता जताई है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.3 अरब डॉलर था। इस व्यापारिक अंतर को पाटने के लिए दोनों देशों के संबंधित मंत्रालय कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) बनाने पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि 'पाकिस्तान-तुर्किये बिजनेस कॉन्फ्रेंस' ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि दोनों देशों के आर्थिक संबंध अब एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। दोनों देशों ने वर्तमान 1.3 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को सीधे 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। रक्षा क्षेत्र पर महा-फोकसः राष्ट्रपति एर्दोगन ने नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों की असली रीढ़ करार दिया है। व्यापारिक और औद्योगिक सहयोग को जमीन पर उतारने के लिए कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान में तुर्किये का कुल निवेश लगभग 2 अरब डॉलर है, और तुर्किये कंपनियों ने वहां 3.5 अरब डॉलर के 72 प्रोजेक्ट्स हाथ में लिए हैं।

मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत, खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिराजुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिराजुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की। सिराजुल नौ महीने की बच्ची के पिता हैं, जिसकी डेंगू से मौत हो गई थी। शिकायत के अनुसार, बच्ची की मौत इसलिए हुई क्योंकि वैक्सीन की कमी के कारण उसे टीका नहीं लग पाया था और बाद में ढाका के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण उसे सही इलाज नहीं मिल सका। शिकायत में पूर्व मुख्य सलाहकार यूनुस पर कर्तव्य में लापरवाही, कानून का उल्लंघन और लापरवाही के कारण मौतें होने का आरोप लगाया गया है। इसमें पूर्व अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और तत्कालीन स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक मोहम्मद अबू जाफर को सहआरोपी बनाया गया है। कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जज 12 जुलाई को यह तय करेंगे कि शिकायत को स्वीकार किया जाए और आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए या नहीं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दशकों में बांग्लादेश में खसरे के सबसे गंभीर प्रकोप को लेकर कड़ी जांच-पड़ताल हो रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों में सात और मौतों की जानकारी दी। इससे 15 मार्च से खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या 738 हो गई है।

आ रहा सुपर तूफान बावी, 280 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं और समुद्र में उठेंगी लहरें; अलर्ट जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रशांत महासागर क्षेत्र गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह भीषण सुपर टाइफून के खतरे का सामना कर रहे हैं। साल 2026 में यह दूसरी बार है जब इस क्षेत्र पर किसी सुपर तूफान का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सुपर टाइफून बावी रविवार को टिनियन और रोता द्वीपों की ओर तेजी से बढ़ रहा था। अमेरिकी संयुक्त टाइफून चेतावनी केंद्र के अनुसार, तूफान की अधिकतम रफ्तार 169 मील प्रति घंटा (करीब 280 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई है। इसे पांच स्तरों वाले सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर कैटेगरी-5 का तूफान माना गया है, जो सबसे विनाशकारी श्रेणी होती है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि द्वीपों तक पहुंचने से पहले इसकी ताकत और भी बढ़ सकती है।

मौसम एजेंसी के मुताबिक, अधिकांश पूर्वानुमान यह संकेत दे रहे हैं कि सुपर टाइफून का केंद्र टिनियन और रोता के बीच से गुजर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए तूफान की तीव्रता अनुमान से भी अधिक हो सकती है। इसी कारण प्रशासन ने लोगों को पहले से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के पूरी तरह गुजरने तक लोग मजबूत इमारतों के भीतर ही रहें और किसी भी स्थिति में बाहर निकलने की कोशिश न करें। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और राहत एवं बचाव एजेंसियों को भी अलर्ट पर रखा गया है। उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के गवर्नर ने सोशल मीडिया के जरिए नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें और तूफान के दौरान घरों या सुरक्षित आश्रय स्थलों से बाहर न निकलें। इस गंभीर खतरे को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के लिए आपातकालीन आपदा घोषणा को मंजूरी दे दी थी। इससे संघीय एजेंसियों को राहत सामग्री, संसाधन और आपदा प्रबंधन सहायता तेजी से उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह से गुजरने के बाद सुपर टाइफून बावी पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले वीकेंड तक ताइवान के लिए भी खतरा बन सकता है। अनुमान है कि उस समय इसकी रफ्तार कम होकर भी कम से कम 127 मील प्रति घंटा (करीब 204 किलोमीटर प्रति घंटा) रह सकती है, जो इसे कैटेगरी-3 का शक्तिशाली तूफान बनाए रखेगी। इसी साल अप्रैल में सुपर टाइफून सिनलाकू ने सैपन समेत उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। उस तूफान के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी और लोगों को पीने के पानी को उबालकर इस्तेमाल करने की सलाह दी गई थी।

सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी हमारा दोस्त, जेडी वेंस के दावे का नेतन्याहू ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी उनका दोस्त है। इस तरह उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी का खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया में अमेरिका ही इजरायल का एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी बचा हुआ है। नेतन्याहू ने 'फॉक्स न्यूज संडे ब्रीफिंग' कार्यक्रम में कहाकि इजरायल को भारत सहित कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त है।

नेतन्याहू ने कहाकि हमारे कुछ और मित्र भी हैं, जैसे भारत नाम का एक देश। आप जानते हैं, वहां 1.4 अरब लोग रहते हैं और, सच कहूं तो, हमें वहां जबरदस्त समर्थन मिलता है। पिछले महीने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान वेंस ने कहा था कि इजराइल को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का सम्मान करना चाहिए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति से जब उन खबरों के बारे में पूछा गया था कि इजरायली नेतृत्व अमेरिका-ईरान समझौते से नाखुश है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर रहा है, तो वेंस ने कहा था कि यदि मैं इजरायल सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो दुनिया में बचे अपने एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करता। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें 'फेसबुक' पर भारत से काफी समर्थन मिल रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि फेसबुक पर मुझे भारी समर्थन मिलता है। संभव है कि कई अन्य जगहों से भी मुझे समर्थन प्राप्त हो। उन्होंने वेंस के इस दावे को खारिज कर दिया कि इजराइल का कोई अन्य सहयोगी नहीं है। नेतन्याहू ने कहाकि हमारे बहुत से मित्र हैं। उन्होंने कहाकि कई देश इजरायल की उन्नत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहते हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि आप जानते हैं, कई नेता मुझे फोन करते हैं और कहते हैं, 'देखिए, हमारे यहां जनमत को लेकर कुछ मुश्किलें हैं, लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपका सम्मान करते हैं। क्या हम कुछ करार कर सकते हैं? क्या आप हमें अपनी सेना की कुछ चीजें सिखा सकते हैं? और क्या हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता मिल सकती है?' नेतन्याहू ने कहाकि साइबर क्षेत्र में इजरायल दुनिया का दूसरा सबसे अग्रणी देश है और हमारी प्रौद्योगिकी बेहद उन्नत है। इसलिए हमारे संबंध वास्तव में वैसे नहीं हैं, जैसे बाहर से दिखाई देते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। इस बैठक में ईरान, क्षेत्रीय सुरक्षा और सऊदी अरब के साथ संबंधों पर चर्चा होगी। इजरायली मीडिया की खबरों के मुताबिक, नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के दौरान निकट भविष्य में अमेरिका में मिलने पर सहमति बनी थी।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का अत्याचारः हजारों प्रदर्शनकारियों पर बरसाई गोलियां, एक व्यक्ति की मौत; कई घायल

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शहबाज शरीफ सरकार के अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों नागरिकों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबालों ने कई जगह गोलियां बरसाई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई की हालत गंभीर है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के आह्वान पर रविवार को अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में 40 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी जुटे। शरीफ सरकार के जुल्म और 600 से अधिक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद आक्रोश चरम पर है। सरकार की ज्यादती के खिलाफ आंदोलन चला रहे जेएएसी ने इस्लामाबाद की निर्मम कार्रवाई को चुनौती देते हुए गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार नेताओं व कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की। जेएएसी ने कहा कि बुनियादी अधिकारों के लिए हो रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने डुडियाल में भीड़ पर बिना उकसावे के गोलियां चलाईं। वहीं, इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की पीओके इकाई ने दावा किया कि डड्याल अंब में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों व प्रदर्शनकारियों में झड़प मुजफ्फराबाद में सुरक्षाबलों-प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। जेएएसी ने एक्स पर लिखा कि सुरक्षाबलों ने गोलाबारी की। कई प्रदर्शनकारियों की बाइक क्षतिग्रस्त कर दीं। पुलिस व पाकिस्तानी रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले भी दागे। इसके अलावा मनक पियन, संगी मेरा, तरीकाबाद, लोअर छत्रा और बेइला नूर शाह में भी झड़पें हुईं।

पिछले महीने मारे गए 30 प्रदर्शनकारी : पाकिस्तान पुलिस की हिंसक कार्रवाई में आठ जून को कम से कम 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेएएसी के सदस्य सरदार अमन खान ने मेंढर, पुंछ, राजौरी, डोडा में रहने वालों से अपील की है कि उनकी तरफ राशन और दवाओं की कमी है। हमें आपकी मदद चाहिए।

रूस ने नाटो समिट से पहले यूक्रेन पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

कीव, एजेंसी। रूस ने सोमवार सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया. यह हमला तुर्की में होने वाले नाटो के अहम समिट से एक दिन पहले हुआ है. इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल होने की उम्मीद है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की एयर फोर्स ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और क्रूज मिसाइल शामिल थे. हमले के दौरान सुबह-सुबह सेंट्रल कीव में धमाकों की आवाजें सुनी गईं. कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शहर के कम से कम दो जिलों में आग लगने या मलबे के गिरने से हुए नुकसान की खबर हैं. धमाकों से कुछ देर पहले ही राजधानी में एयर रेड सायरन चालू कर दिए गए थे. यह नया हमला यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की की रविवार की चेतावनी के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि इंटेलिजेंस से पता चला है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, 'इंटेलिजेंस एक बार फिर इशारा कर रही है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. यह पुतिन की खासियत है. अमेरिका के इंडिपेंडेंस डे के ठीक बाद और अंकारा में नाटो समिट से पहले रूस लोगों को मारना चाहता है.' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला पिछले गुरुवार को कीव पर रूस के एक बड़े हमले के बाद हुआ है, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गए थे. यह युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन की राजधानी पर तीसरा सबसे जानलेवा हमला है. अंकारा में मंगलवार से शुरू होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में रूस के युद्ध पर चर्चा होने की उम्मीद है.

रूसी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क इलाके में और ज़्यादा इलाके पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी है., जो क्रेमलिन का एक मुख्य मकसद है. साथ ही रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी इलाके के अंदर तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और मिलिट्री फैक्ट्रियों सहित जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 4 जुलाई को लगभग 90 मिनट तक फोन पर बात हुई. रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान, ट्रंप ने फिर से यूक्रेन में युद्ध खत्म करने में मदद की पेशकश की. जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम? यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.